सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है,
जो बदला नहीं बदलाव
लाने की सोच रखते है।

वर्ष 01, अंक 276, नई दिल्ली

रविवार, 17 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

नए साल पर दिल्ली को मिलेगी जाम से मुक्ति

एक अंडरपास और तीन फ्लाईओवर का काम पूरा होते ही फर्राटा भरेंगे वाहन

संजय बाटला, संपादक

नए साल के शुरुआती महीनों में बडे. इलाके जाम से मुक्त होंगे। फरवरी से लेकर मार्च तक पूरी होने वाली परियोजनाओं ने जनता को खासा लाभ मिलेगा। इलाके से जाम दूर होगा। एक अंडरपास और तीन फ्लाईओवर अगले साल शुरू हो जाएंगे। इनमें भैरों मार्ग-रिंग रोड अंडरपास अप्सरा बार्डर से आनंद विहार फ्लाईओवर पंजाबीबाग फ्लाईओवर भजनपुरा के सामने बन रहा डबलडेकर फ्लाईओवर का काम पूरा होने जा रहा है।

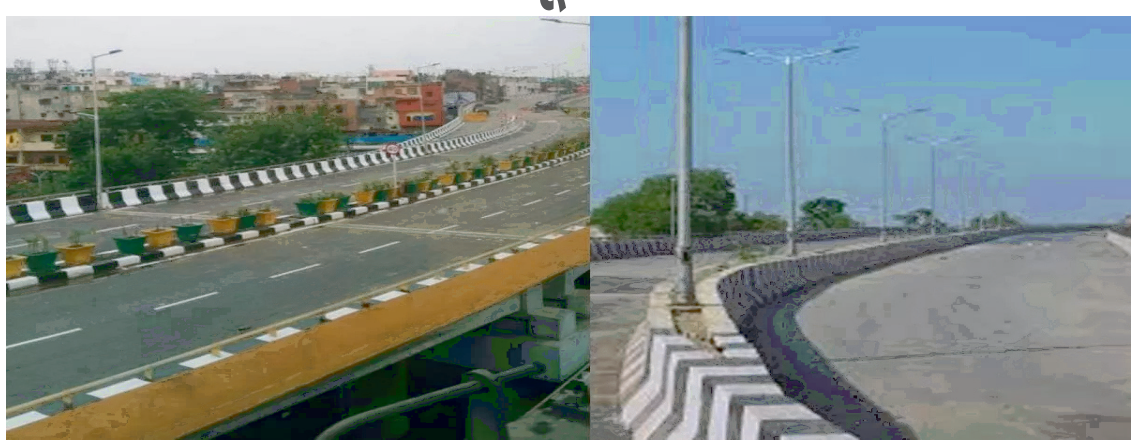

नई दिल्ली। नया साल दिल्ली को कुछ हद तक जाम से मुक्ति दिलाने आ रहा है। इस साल के शुरुआती महीनों में बडे.इलाके जाम से मुक्त होंगे। फरवरी से लेकर मार्च तक पूरी होने वाली परियोजनाओं ने जनता को खासा लाभ मिलेगा। इलाके से जाम दूर होगा। एक अंडरपास और तीन फ्लाईओवर अगले साल शुरू हो जाएंगे। इनमें भैरों मार्ग-रिंग रोड अंडरपास, अप्सरा बार्डर से आनंद विहार फ्लाईओवर, पंजाबीबाग फ्लाईओवर, भजनपुरा के सामने बन रहा डबलडेकर फ्लाईओवर का काम पूरा होने जा रहा है। इनके शुरू होने से जनता को जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

दिल्ली के ढांचागत विकास की बात करें तो दिल्ली में नए साल में सडक और फ्लाइओवर के अलावा कई अन्य निर्माणाधीन परियोजनाएं पूरी हो रही हैं। इससे कई इलाकों में यातायात जाम से राहत मिलेगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो चार में से तीन परियोजनाएं नए साल की पहली तिमाही में ही पूरी हो रही है।

लोक निर्माण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है।फरवरी से लेकर मार्च तक इन परियोजनाओं पर काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भैरों मार्ग-रिंग रोड अंडरपास

भैरों मार्ग से रिंग रोड पर जाने के लिए भैरों मार्ग रिंग रोड टी-प्वाइंट पर अंडरपास बनाया जा रहा है। इससे मथुरा रोड से आकर भैरों मार्ग होते हुए सीधे रिंग रोड पर जा सकेंगे। इससे लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। इसे सितंबर 2022 तक तैयार हो जाना था, मगर रेलवे लाइन के नीचे काम में आ रही जटिलता के चलते अब यह कार्य अगले साल मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना का कार्य पूरा तीन साल पीछे चल रहा है। यह अंडरपास वैसे तो सुरंग सड़क परियोजना का हिस्सा है।इसकी राशि उसी आठ सौ करोड़ में सम्मिलित है।मगर अंडरपास की कुल राशि 80 करोड़ मानी जा रही है।

अप्सरा बार्डर से आनंद विहार की ओर वाल फ्लाईओवर

अप्सरा बार्डर से आनंद विहार की ओर जाने वाला फ्लाईओवर पर 372 करोड़ का अनुमानित खर्च रखा गया है।इसे 31 दिसंबर 2023 तक पूरा किया जाना था।इस परियोजना के तहत आनंद विहार आरओबी और अप्सरा बार्डर आरओबी के बीच रोड नंबर-56 पर करीब 1440 मीटर लंबा और छह लेन का चौड़ा फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण के बाद रामप्रस्थ कालोनी, विवेक विहार और श्रेष्ठ विहार लालबत्ती पर लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को मुक्ति मिल जाएगी। इस फ्लाईओवर से होकर प्रतिदिन औसतन 1.48 लाख वाहन गुजरेंगे, जिन्हें आवागमन में काफी सहूलियत हो जाएगी।

पंजाबी बाग और राजा गार्डन फ्लाईओवर के बीच कॉरिडोर

पंजाबी बाग फ्लाईओवर और राजा गार्डन फ्लाईओवर के बीच बननने वाला ये कारिडोर रिंग रोड का हिस्सा है और यहां ट्रैफिक का लोड काफी ज्यादा है क्योंकि यहां रोहतक रोड (एनएच -10) का उपयोग करके हरियाणा का ट्रैफिक आता है, साथ ही ये उत्तरी दिल्ली को दक्षिणी दिल्ली, गुरुग्राम व एनसीआर के अन्य हिस्से से जोड़ने का भी काम करता है। इस योजना के तहत मोतीनगर में तीन लेन व ईएसआई मेट्रो स्टेशन से क्लब रोड के बीच छह लेन के नए फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। पंजाबी बाग स्थित फ्लाईओवर का दोहरीकरण होगा। जून तक परियोजना का काम पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना पर 352 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। पहले इसे 31 दिसंबर 2023 तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया था।

डबलडेकर फ्लाईओवर मार्च तक होगा पूरा

दिल्ली सरकार ने वर्षों से प्रतीक्षित उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में शहीद मंगल पांडेय मार्ग पर भजनपुरा से यमुना विहार के बीच बन रहा 1.4 किमी लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर 31 दिसंबर की जगह 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।इसे डीएमआरसी बना रहा है, जिसमें ऊपरी भाग में मेट्रो चलेगी और निचले भाग में वाहनों के लिए फ्लाईओवर बन रहा है। इसके शुरू हो जाने से स्थानीय लोगों को बहुत लाभ मिलेगा, इसके साथ ही उत्तरी दिल्ली से पूर्वी दिल्ली में आना जाना आसान हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग फ्लाईओवर के लिए डीएमआरसी को पैसा देकर बनवा रहा है।

मंत्री आतिशी ने सड़कों की खराब स्थिति को लेकर मुख्य सचिव को लगाई फटकार, साल के अंत तक मरम्मत के दिए निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने राजधानी की सड़कों की हालत को देखकर मुख्य सचिव नरेश कुमार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने इन सड़कों की स्थिति को इस साल के अंत तक ठीक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मसले पर हमने 10 बैठकें की और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ कई बार जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। इसके बावजूद इसमें कोई सुधार नहीं हुआ।

नई दिल्ली। दिल्ली की लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री आतिशी ने राजधानी की सड़कों की हालत को देखकर मुख्य सचिव नरेश कुमार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने इन सड़कों की स्थिति को इस साल के अंत तक ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने लिखा- जिन भी सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक होती है, उसकी जिम्मदारी पीडब्ल्यूडी की होती है। शहर के कई हिस्सों में इन सड़कों की स्थिति काफी खराब है। कई सड़कों पर गड्ढे.देखे गए हैं। इन्हें रिपेयर करने की आवश्यकता है। कई सड़कें तो ऐसी हैं जो पूरी तरह टूट चुकी है और उनपर कोई गाड़ियां नहीं चलती।

सड़क के हालात को लेकर 10 बैठकें की

उन्होंने लिखा कि मैंने पिछले छह महीनों में इन सड़कों को सुधारने के लिए पीडब्ल्यूडी को लगातार कहा है लेकिन इन बातों पर गौर नहीं किया गया। यह हालात तब हैं, जब हमने इस मसले पर कम से कम 10 बैठकें की और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ कई बार जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया।

दिल्ली की जनता झेल रही परेशानी

उन्होंने लिखा कि पीडब्ल्यू सड़कों के हालात को लेकर कुछ तस्वीरें दी है। अगर समय रहते इन सड़कों की मरम्मति नहीं की गई तो इनपर दुर्घटना कभी भी हो सकती है। अधिकारियों की लापरवाही की वजह से दिल्ली की जनता को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। यह स्वीकार्य नहीं है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा ईस्टर्न पेरिफेरल: इंटरचेंज का हुआ शिलान्यास, नोएडा एयरपोर्ट पहुंचना होगा आसान

परिवहन विशेष न्यूज

मुख्य सचिव ने कहा कि इंटरचेंज के बनने से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचना आसान होगा। ईस्टर्न पेरिफेरल को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले इंटरचेंज का शिलान्यास हो गया है। निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य 18 माह है और खर्च 122 करोड़ रुपये होंगे।

नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए यीडा सिटी के गांव जगनपुर-अफजलपुर के पास बनने वाले इंटरचेंज का शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस मिश्र ने शिलान्यास किया। इंटरचेंज का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य 18 माह रखा गया है। निर्माण में 122 करोड़ रुपये खर्च होंगे। किसानों के कोर्ट चले जाने से यह परियोजना पिछले छह सालों से अटकी थी।

मुख्य सचिव ने कहा, यमुना और ईस्टर्न पेरिफेरल दोनों महत्वपूर्ण एक्सप्रेसवे हैं। इनके जुड़ जाने से काफी फायदा होगा। पिछले कई सालों से यह समस्या बनी हुई थी। इसमें प्राधिकरण व एनएचआई के अधिकारियों के अलावा किसानों का सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि इस इंटरचेंज के बनने से नोएडा एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी और सुगम हो जाएगी। ट्रैफिक की समस्या से राहत मिलने के साथ धन और समय की भी बचत होगी।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा, एयरपोर्ट से गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर के लोगों को भी सहूलियत होगी। साथ ही आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, हाथरस के लोग भी इंटरचेंज बनने पर नोएडा, ग्रेनो जाए बिना सीधे मेरठ और गाजियाबाद जा सकेंगे। वहीं इटरचेंज के चार लूप एवं चार रैंप के माध्यम से यमुना एक्सप्रेसवे एवं ईस्टर्न पेरिफेरल के यातायात के लिए कुंडली, पानीपत, मेरठ, ग्रेनो एवं यीडा सिटी क्षेत्र के लोग जेवर एयरपोर्ट तक सीधा पहुंच सकेंगे।

इससे लगभग एक से दो घंटे की बचत होगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह, एसीईओ श्रुति, कपिल सिंह, विपिन जैन, ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, शैलेंद सिंह, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह समेत अधिकारी मौजूद रहे।

मुआवजा दिए जाने से निर्माण का रास्ता साफ

जगनपुर गांव के पास बन रहे इंटरचेंज से प्रभावित किसान 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर कोर्ट चले गए थे। इंटरचेंज के निर्माण के लिए 2018 में ही कंपनी का चयन कर लिया गया था। प्रभावित किसानों को 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा दिए जाने के बाद इंटरचेंज के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। हालांकि इस दौरान निर्माण की लागत 75 करोड़ से बढ़कर 122 करोड़ रुपये हो गई है।

वैवाहिक जीवन में बाधा के प्रमुख कारण

ज्योतिष के अनुसार माना जाता है कि व्यक्ति की वैवाहिक जिंदगी ग्रहों से प्रभावित होती है. अगर ग्रह ठीक ना हों तो शादी होने में समस्याएं आती हैं व शादी देरी से होती है. और अगर शादी हो भी गई तो रिश्ते में समस्याएं आती रहती हैं।

आइए जानते हैं शनि, मंगल, राहु, केतु ग्रह कैसे आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित करते हैं और क्या है बचने के उपाय-:

शनि -:

- वैवाहिक जीवन के टूटने में सबसे बड़ी भूमिका शनि निभाता है।

- अगर शनि का दूषित सम्बन्ध विवाह भाव या सप्तमेश ग्रह से हो, तो विवाह भंग होता है।

- शनि अगर विवाह भंग करने का कारण हो तो इसके पीछे घर के लोग भी जिम्मेदार माने जाते हैं।

उपाय -:

- अगर शनि की वजह से वैवाहिक जीवन में समस्या आ रही हो तो शिव जी को नित्य प्रातः जल चढ़ाएं।

-किसी आश्रम व भंडारे में तेल का दान करें।

-शनिवार को हनुमान जी को चमेली के तेल के साथ सिंदूर का चोला अर्पित करें।।

मंगल -:

जब सप्तम भाव व सप्तमेश दूषित मंगल से पीड़ित हो तो मंगल वैवाहिक जीवन में समस्या पैदा करता है।

- वैवाहिक जीवन में विच्छेदन के अलावा अगर मामला हिंसा तक पहुंच गया हो तो इसके पीछे मंगल होता है।

- मंगल जब वैवाहिक जीवन में समस्या देता है. तो मामला मार-पीट तक पहुंच जाता है।

- इसमें वैवाहिक सम्बन्ध, विवाह के बाद बहुत ही जल्दी भंग हो जाता है।

- इसमें मामला कोर्ट कचहरी तक भी तुरंत पहुचता है।

उपाय-:

- अगर मंगल की वजह से समस्या आ रही हो तो मंगलवार का उपवास रखें।

- हर मंगलवार को निर्धनों को मीठी चीजों का दान करें।

- लाल रंग का प्रयोग कम से कम करें।

- मसूर की दाल खाना बंद करें।

-मूंगा रत्न पहने में भी सावधानी बरतें।

राहु- केतु-:

- सप्तम भाव व सप्तमेश जब नीच शत्रु क्षेत्री राहु केतु से पीड़ित हो तो वैवाहिक जीवन में समस्या पैदा होती है।

- विवाह के मामलों में शक और वहम जैसी चीजों को पैदा करना राहु-केतु का काम है।

- अगर राहु-केतु विवाह संबंधों में बाधा देते हैं तो बेवजह शक पैदा होता है और कभी-कभी जीवनसाथी एक दूसरे को छोड़कर दूर चले जाते हैं।

- इसमें वैवाहिक जीवन रहने के बावजूद, जीवन भर अलगाव झेलना पड़ता है।

उपाय-:

- भगवान श्री विष्णु की उपासना करें।

- ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें

- गरीब व कोंढीयों को फल वितरित करें।।

विवाह के गठबंधन में क्यों डालते हैं 5 चीजें?

गठबंधन करते समय वधू के पल्लू और वर के दुपट्टे में सिक्का (पैसा), पुष्प, हल्दी, दूर्वा और अक्षत, पांच चीजें बांधी जाती हैं, जिनका अपना-अपना महत्व है-:

सिक्का: यह इस बात का प्रतीक है कि धन पर किसी एक का पूर्ण अधिकार नहीं होगा, बल्कि समान अधिकार रहेगा।

पुष्प:- प्रतीक है, प्रसन्नता और शुभकामनाओं का। दोनों सदैव हंसते-खिलखिलाते रहें। एक-दूसरे को देखकर प्रसन्न हों, एक-दूसरे की प्रशंसा करें।

हल्दी:- आरोग्य और गुरू का प्रतीक है। एक-दूसरे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए प्रयत्नशील रहें। मन में कभी हीनता न आने दें। हल्दी छूने से रंग व सुगंध छूने वाले को चढ़ता है। अतः ज़रूरी निर्णय में आपसी परामर्श करें।

दूर्वा:- प्रतीक है कि कभी प्रेम भावना न मुरझाने देना। दूर्वा का जीवन तत्व कभी नष्ट नहीं होता। सूखी दिखने पर भी यह पानी में डालने पर हरी हो जाती है। ठीक इसी तरह दोनों के मन में एक-दूसरे के लिए अटूट प्रेम और आत्मीयता बनी रहे।

अक्षत (चावल):- अन्नपूर्णा का प्रतीक है। जो अन्न कमाएं, उसे अकेले नहीं, बल्कि मिल-जुलकर खाएं। परिवार के प्रति सेवा और उत्तरदायित्व का लक्ष्य भी ध्यान में रखें।। हमें अपनी श्रेष्ठ सनातन संस्कृति व परम्पराओं पर गर्व होना चाहिए।

संत की अनूठी तपस्या, कई सालों से अपने हाथ को उठाया है आसमान की तरफ, यह है संकल्प

सन्त ने प्रण लिया है कि जब तक भारत दुनिया की महाशक्ति नहीं बन जाता और इसके साथ ही विश्व और देश मे सुख शांति नहीं हो जाती तब तक वह अपने हाथ को अपने शीश के बराबर खड़ा रखेंगे.

जीवन में संतों की कठिन तपस्या के बारे में आपने कई बार बातें और कई कहानियां सुनी होगी. भीलवाड़ा में एक संत के द्वारा की जा रही तपस्या से पता चलता है संत समाज हमेशा विश्व शांति और देश कल्याण के लिए तत्पर रहते है. भीलवाड़ा में भी आए एक संत ने अनूठा संकल्प लिया हुआ है जिसके तहत संत में पिछले 4 से 5 सालों से अपना एक हाथ आसमान की तरफ उठाया हुआ है. संत ने प्रण लिया है कि जब तक भारत दुनिया की महाशक्ति नहीं बन जाता और इसके साथ ही विश्व और देश मे सुख शांति नहीं हो जाती तब तक वह अपने हाथ को अपने शीश के बराबर खड़ा रखेंगे.

प्रयागराज कुंभ से शुरू की थी तपस्या

दिगंबर संत सूरज पुरी नागा साधु कहते हैं कि विश्व शांति के साथ ही भारत हिंदू राष्ट्र और भारत देश दुनिया की नंबर एक महाशक्ति बने कुछ इस तरह के संकल्प को लेकर वह कई सालों से एक हाथ ऊपर खड़ा किया हुआ है. उन्होंने अपनी इस तपस्या की शुरुआत सबसे पहले सूरजपुरी महाराज प्रयागराज कुंभ से शुरू की जो अब तक अनवरत जारी है. संत सूरज पुरी नागा साधु अभी वर्तमान में राजगढ़ स्थित बमबम महाराज के आश्रम पर आए हुए हैं और यहां भी उनकी तपस्या जारी है लोग उनके दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं.

विश्व शांति के लिए कर रहे तपस्या

संत सूरज पूरी नागा साधु कहते हैं कि जब दुनिया में सबसे पहले कोरोना की शुरुआत हुई तब मेरे मन में विचार आया कि क्यों ना विश्व शांति के लिए एक तपस्या की जाए ताकि पूरी दुनिया को इन जैसी बीमारियों से छुटकारा मिल सके. इसके बाद मैंने तपस्या करने का निर्णय लिया और आज तक यह तपस्या जारी है. इसके बाद 2021 में कुंभ स्नान करने के बाद मैंने यह तपस्या शुरू कर दी.

संत कहते हैं कि शुरुआत में लगातार शरीर का एक हाथ ऊपर रखने से कई बार दर्द का एहसास भी होता है और शारीरिक समस्या भी होती था लेकिन विश्व शांति के लिए मैंने यह हाथ भगवान को समर्पित कर दिया है जिसके बाद अब मुझे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होती है ना ही कुछ एहसास होता है.

ठंड में कैसा हो गर्भवतियों का आहार, 4 चीजों को डाइट में जरूर करें शामिल, जच्चा-बच्चा दोनों रहेंगे हेल्दी

वैसे तो गर्भवती महिलाओं को हर मौसम में अपना ख्याल रखना चाहिए, लेकिन ठंड में अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है. दरअसल, सर्दियों में हमारा स्वास्थ्य अन्य मौसम की तुलना में अधिक संवेदनशील हो जाता है. ऐसे में त्वचा को हाइड्रेट रखकर इम्युनिटी लेवल को स्ट्रॉन्ग रखना बेहद जरूरी होता है. हालांकि, यह सब तभी संभव होगा, जब गर्भवती महिला पौष्टिक आहार ले. ऐसा करने से पेट में पल रहा शिशु भी स्वस्थ्य रहेगा. आइए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा से जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान ठंड में किन चीजों का सेवन करना चाहिए?

मां बनने की उम्मीद करना हर महिला के जीवन का सबसे सुखद पहलू होता है. इसलिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान खुद की सेहत का ठीक से ध्यान रखें. दरअसल, गर्भावस्था के दौरान कई वजहों से शारीरिक और मानसिक तनाव हो सकता है. इस तरह के शारीरिक परिवर्तन हार्मोनल परिवर्तनों के साथ मिलकर आपके शरीर पर भारी पड़ सकते हैं. वैसे तो गर्भवती महिलाओं को हर मौसम में अपना ख्याल रखना चाहिए, लेकिन ठंड में अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है. क्योंकि, सर्द मौसम सामान्य सर्दी, संक्रमण, खांसी और बुखार से जुड़ा होता है. इसके अलावा, सर्दी में चलने वाली ठंडी हवा से सूखापन या नमी की कमी भी एक बड़ा कारण है, जिससे सर्दी में अधिक सावधान रहने की जरूरत होती है.

दरअसल, सर्दियों में हमारा स्वास्थ्य अन्य मौसम की तुलना में अधिक संवेदनशील हो जाता है. ऐसे में त्वचा को हाइड्रेट रखकर इम्युनिटी लेवल को स्ट्रॉन्ग रखना बेहद जरूरी होता है. हालांकि, यह सब तभी संभव होगा, जब गर्भवती महिला पौष्टिक आहार ले. ऐसा करने से पेट में पल रहा शिशु भी स्वस्थ्य रहेगा. अब सवाल है कि आखिर गर्भवती महिलाओं का सर्दियों में आहार कैसा हो? गलत खान-पान स्वास्थ पर कैसे डालता है प्रभाव? इन सवालों के बारे में बता रही हैं गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा-

सर्दियों के लिए गर्भवती महिलाओं का पौष्टिक आहार

फल और सब्ज़ियां खाएं: सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विटामिन सी से युक्त फल जैसे संतरा, सेब, केला का सेवन जरूर करना चाहिए. ये फल शरीर में इम्युनिटी बूस्ट करने का काम करते हैं. साथ ही ठंड में पालक, सलाद, पत्ता, फूलगोभी और हरी सब्जियों का भी सेवन करना चाहिए. ऐसा करने से मां और बच्चा दोनों हेल्दी रहेंगे.

क्या है गैसट्रिक स्लीव सर्जरी? जो मिनटों में कम कर देता है मोटापा आगे देखें...

उचित मात्रा में आयोडीन लें: गर्भावस्था के दौरान आयोडीन से युक्त चीजों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. क्योंकि, आयोडीन की कमी आपके बच्चे के मानसिक विकास को प्रभावित कर सकती है. ऐसे में जरूरी है कि उचित मात्रा में अंडे, समुद्री भोजन, नमक आदि जरूर खाएं. ऐसा करने से जच्चा-बच्चा दोनों का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा.

खुद को हाइड्रेट रखें: ठंड में गर्भवती महिलाओं को हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी होता है. इसके लिए जरूरी है कि अच्छी मात्रा में पानी पीएं. इसके अलावा, आप फलों और सब्जियों का ताजा रस, नींबू पानी, छाछ आदि का भी सेवन कर सकती हैं. ऐसा करने से आप खुद को बीमारियों से दूर रख पाएंगी.

कैल्शियम-फाइबर जरूरी: प्रग्नेंसी में हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम-फाइबर युक्त चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए. इसके लिए आप डेयरी प्रोडक्ट, अनाज, दालों का डाइट में शामिल कर सकते हैं. दरअसल, ये चीजें तमाम पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं. इसलिए नियमित डेयरी प्रोडक्ट की 3 से 4 सर्विंग्स लें. वहीं, फाइबर युक्त चीजें कब्ज से छुटकारा दिलाने का काम करती हैं.

ठंड में ये एहतियात जरूरी

– गर्भवती महिलाओं को फ्लू का टीका जरूर लगवाना चाहिए.

– अत्यधिक ठंड में घर के अंदर रहें और पर्याप्त ऊनी कपड़े पहनें.

– डाइट में पालक, अदरक, आंवला, बादाम, दही, लहसुन, दूध, शिमला मिर्च और ब्रोकोली शामिल करें.

– शुष्क सर्दियों की हवा से शरीर को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता होती है. इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं.

– हल्के व्यायाम जैसे चलना या सरल योग करें. ऐसा करने से आप और आपका बच्चा दोनों हेल्दी रहेंगे.

दिल्ली मेयर का फेसबुक पेज हुआ रिकवर , हैक होने पर दिख रहीं थी अश्लील तस्वीरें और वीडियो

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय का फेसबुक पेज हैक होने का बाद उन्हें वापस मिल गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया टीम ने पूरी रात काम किया और शनिवार को दोपहर तक ठीक कर लिया। उन्होंने बताया कि दुनियाभर में साइबर अपराध बढ़ रहा है। दिल्ली की मेयर शेली ओबेरॉय ने कहा कि मैं एक हफ्ते से इसे अपने फेसबुक पेज को एक्सेस नहीं कर पा रही थी।

नई दिल्ली। दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय का फेसबुक पेज हैक होने का बाद उन्हें वापस मिल गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया टीम ने पूरी रात काम किया और शनिवार को दोपहर तक ठीक कर लिया। उन्होंने बताया कि दुनियाभर में साइबर अपराध बढ़ रहा है।

दिल्ली की मेयर शेली ओबेरॉय ने कहा कि मैं एक हफ्ते से इसे अपने फेसबुक पेज को एक्सेस नहीं कर पा रही थी। कल हमने अचानक इस पर अश्लील तस्वीरें और वीडियो देखे, जिसे किसी ने हैक कर लिया था। हमें इसके बारे में शुक्रवार रात 9 बजे के आसपास पता चला।

उन्होंने बताया फेसबुक पेज को अब रिकवर कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि तकनीक फायदेमंद और हानिकारक दोनों है। हम चाहेंगे कि एक अपडेट होना चाहिए ताकि हैकर्स इसका गलत इस्तेमाल न कर पाएं।

एक्स पर पोस्ट कर दी थी जानकारी

शैली ओबेरॉय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, 'यह पोस्ट आप लोगों की जानकारी के लिए है कि मैं अपना फेसबुक पेज कुछ दिन से एक्सेस नहीं कर पा रही हूं, इसे हैक कर लिया गया है। हम इसे जल्द से जल्द रिकवर करने का प्रयास कर रहे हैं। अगर मेरे पेज से कोई अजीब गतिविधि हो तो सावधान रहें।'

प्रदर्शन करने पर 20 हजार के जुर्माने वाली नियमावली को वापस लेने की मांग, छात्रों ने बताया अलोकतांत्रिक

जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के विद्यार्थियों ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस कर संस्थान के नए नियमों का विरोध किया है। विद्यार्थियों ने नई नियमावली को तुरंत वापस लेने की मांग की है। नई नियमावली के तहत संस्थान में विरोध प्रर्दशन करने पर 20 हजार रूपये का जुर्माना लगाने सहित अन्य नियम बनाए गए हैं। फरवरी में छात्र संघ चुनाव की तारीख घोषित करने मांग की।

दक्षिणी दिल्ली। जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के विद्यार्थियों ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस कर संस्थान के नए नियमों का विरोध किया है। विद्यार्थियों ने नई नियमावली को तुरंत वापस लेने की मांग की है। नई नियमावली के तहत संस्थान में विरोध प्रर्दशन करने पर 20 हजार रूपये का जुर्माना लगाने सहित अन्य नियम बनाए गए हैं। छात्र दानिश ने कहा कि नई नियमावली लोकतंत्र और संविधान के विरुद्ध है। फरवरी में छात्र संघ चुनाव की तारीख घोषित करने मांग की।

संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में छठा आरोपी उगलेगा राज, कोर्ट ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

परिवहन विशेष न्यूज

संसद भवन सुरक्षा सेंध मामले में गिरफ्तार महेश कुमावत को पटियाला हाउस की सत्र अदालत ने सात दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। कुमावत को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष पेश किया। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश लोक अभियोजक ने बताया कि कुमावत मामले में शामिल अन्य आरोपितों के मोबाइल फोन को नष्ट करने में शामिल था।

नई दिल्ली। संसद भवन सुरक्षा सेंध मामले में गिरफ्तार महेश कुमावत को पटियाला हाउस की सत्र अदालत ने सात दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। कुमावत को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष पेश किया।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश लोक अभियोजक ने बताया कि कुमावत मामले में शामिल अन्य आरोपितों के मोबाइल फोन को नष्ट करने में शामिल था। उन्होंने अदालत को बताया कि आरोपित देश में अराजकता फैलाने की साजिश में शामिल था। लोक अभियोजक ने पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए आरोपित से पूछताछ को लेकर 15 दिन की रिमांड देने का अनुरोध किया।

सबूत नष्ट करने का आरोप

लोक अभियोजक ने बताया कि कुमावत को सबूत नष्ट करने और आपराधिक साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि महेश कुमावत मामले में सह-आरोपित ललित झा के साथ खुद ही पुलिस स्टेशन आया था। दोनों को स्पेशल सेल को सौंप दिया गया था। इस मामले में यह छठी गिरफ्तारी थी।

पूर्वी दिल्ली में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को देख भड़कीं स्वाति मालीवाल, PWD अधिकारियों से मांगा जवाब

दिल्ली महिला आयोग के मुताबिक पूर्वी दिल्ली की सड़क पर बिल्कुल अंधेरा था क्योंकि कोई भी स्ट्रीट लाइट काम नहीं कर रही थी। बस स्टॉप पर भी अंधेरा था। बस स्टॉप के पीछे का इलाका सुनसान होने के चलते बस में चढ़ने और उतरने वाली महिलाओं के लिए शाम होते ही असुरक्षित हो जाता है। स्वाति मालीवाल ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा चिंताओं का आकलन करने के लिए दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के पदाधिकारियों ने कुछ बस स्टॉप का निरीक्षण किया। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और सदस्य वंदना सिंह ने शाम साढ़े छह के बाद रमेश पार्क बस स्टाप से ललिता पार्क तक पुश्ता रोड का निरीक्षण किया। आयोग के मुताबिक, 'सड़क पर बिल्कुल अंधेरा था, क्योंकि कोई भी स्ट्रीट लाइट काम नहीं कर रही थी। बस स्टॉप पर भी अंधेरा था। बस स्टॉप के पीछे का इलाका सुनसान होने के चलते बस में चढ़ने और उतरने वाली महिलाओं के लिए शाम होते ही असुरक्षित हो जाता है। शिकायतें मिलने पर कल शाम ललिता पार्क बस स्टैंड और कई अन्य जगहों का Surprise Inspection किया। निरीक्षण में पाया कि कई बस स्टैंड पर और उनके पास पूरा अंधेरा था। महिलाओं के लिए बेहद असुरक्षित। दिल्ली सरकार के विभाग को नोटिस जारी कर रहे है।

pic.twitter.com/uTfgbwqcPq

— Swati Maliwal (@SwatiJaiHind) December 16, 2023

अधिकारियों पर कार्रवाई का मांगा ब्योरा

आयोग की अध्यक्ष ने बस स्टॉप की असुरक्षित स्थिति को देखते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी है। नोटिस में आयोग ने बस स्टॉप और सड़कों पर अंधेरा होने का कारण पूछा है। आयोग ने पीडब्ल्यूडी से इन लाइटों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और उनके खिलाफ की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। इसके अलावा, आयोग ने इन बस स्टॉप और सड़कों पर अंधेरे स्थानों के संबंध में एक जनवरी, 2022 से प्राप्त शिकायतों और उसपर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। आयोग ने कहा है कि बस शेल्टरों और स्ट्रीट लाइटों पर तुरंत रोशनी हो।

18 साल बाद स्कूल में पहुंची कुर्सी-मेज, छात्रों के खिले चेहरे; BJP सांसद ने उपलब्ध कराया फर्नीचर

नई बस्ती प्राथमिक स्कूल जेवर के छात्रों के बैठने के लिए 18 साल बाद कुर्सी-मेज पहुंची। कुर्सी-मेज पर बैठकर पढ़ाई कर रहे छात्रों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। बता दें छात्रों को सर्दी गर्मी और वर्षा हर मौसम में जमीन पर ही बैठना पड़ता था। बीजेपी सांसद डॉ.. महेश शर्मा ने यह कुर्सी-मेज उपलब्ध कराई है।

ग्रेटर नोएडा। नई बस्ती प्राथमिक स्कूल जेवर के छात्रों के बैठने के लिए 18 साल बाद कुर्सी-मेज पहुंची। कुर्सी-मेज पर बैठकर पढ़ाई कर रहे छात्रों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। बता दें छात्रों को सर्दी, गर्मी और वर्षा हर मौसम में जमीन पर ही बैठना पड़ता था। दैनिक जागरण ने छात्रों की इस परेशानी को दो दिसंबर के अंक में 'सर्दी हो या गर्मी, हमें जमीन पर ही पढ़ना होगा' शीर्षक से प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

खबर का संज्ञान लेते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ. महेश शर्मा ने सीएसआर के माध्यम से स्कूल को फर्नीचर उपलब्ध कराया है। साथ ही स्कूल में कंप्यूटर लैब भी स्थापित की है। अब छात्र न केवल बेंच पर बैठेंगे बल्कि तकनीकी शिक्षा भी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि वह छात्रों को लगातार सुविधाएं उपलब्ध कराते रहेंगे। फर्नीचर देख छात्रों में खासा उत्साह हैं। इस स्कूल के छात्र चटाई में बैठकर पढ़ाई करते आ रहे थे। यह यहां के लिए एक सामान्य व्यवस्था थी।

सर्दियों में छात्रों को होती थी दिक्कतें

बीच में जेवर एयरपोर्ट के चलते विस्थापित स्कूलों के फर्नीचर के लिए स्कूल को स्टोर रूम बनाया गया था। उसके चलते बीच में कुछ समय स्कूल में बेंच रही थी। जब विस्थापित स्कूलों का निर्माण हो गया तो उनकी बेंच वापस चली गई। इससे बच्चों को वापस चटाई पर बैठना पड़ा। इससे छात्र बहुत उदास थे। खासकर सर्दियों में छात्रों को दिक्कत होती थी। दैनिक जागरण ने छात्रों की इसी पीड़ा को उठाते हुए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए खबर लिखी थी। अब इन छात्रों को स्थायी रूप बैठने के लिए फर्नीचर मिल गया है।

सफदरजंग अस्पताल में अगले माह शुरू होगा नया स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर, अंडर वाटर ट्रेड मिल जैसी सुविधा होगी

सफदरजंग अस्पताल में नए साल में नया स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर शुरू हो जाएगा। इस स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के मुकाबले सवा चार गुना अधिक बेड और दोगुने ऑपरेशन थियेटर (ओटी) होंगे। इससे खिलाड़ियों की चोट के इलाज की सुविधाओं में विस्तार होगा। नए सेंटर में अंडर वाटर ट्रेड मिल जैसी सुविधा भी होगी। जिससे खिलाड़ी चोट से जल्दी उबरकर मैदान पर उतर सकेंगे।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सफदरजंग अस्पताल में नए साल के पहले माह में नया स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर शुरू हो जाएगा। चोटिल खिलाड़ियों के इलाज के लिए यह सेंटर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इस सेंटर में वर्तमान स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के मुकाबले सवा चार गुना अधिक बेड और दोगुने ऑपरेशन थियेटर (ओटी) होंगे। इससे खिलाड़ियों की चोट के इलाज की सुविधाओं में विस्तार होगा। नए सेंटर में अंडर वाटर ट्रेड मिल जैसी सुविधा भी होगी। जिससे खिलाड़ी चोट से जल्दी उबरकर मैदान पर उतर सकेंगे।

सफदरजंग अस्पताल में पहले से एक स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर है, जिसमें 35 बेड और तीन आपरेशन थियेटर हैं। इस सेंटर का निर्माण वर्ष 2010 राष्ट्रमंडल खेल के दौरान हुआ था। यह दिल्ली का पहला स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर है। इसकी ओपीडी में हर वर्ष 90 हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। मरीजों का दबाव अधिक और सुविधाएं कम होने के कारण सर्जरी के लिए पांच माह तक की वेटिंग है।

कोरोना से पहले शुरू हुआ था निर्माण

इसके मद्देनजर कोरोना से पहले सफदरजंग अस्पताल के लिए नए स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर का निर्माण शुरू हुआ। लेकिन कोरोना के कारण इसके निर्माण में विलंब हुआ। वर्ष 2022 में इसका भवन बनकर तैयार हो गया था। इसलिए अक्टूबर 2022 में ही इसे शुरू करने की तैयारी थी, लेकिन चिकित्सा उपकरणों की खरीद में विलंब के कारण इस सेंटर को इस वर्ष भी शुरू नहीं किया जा सका।

सेंटर को शुरू करने की तैयारियां तेज

स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के डॉक्टर बताते हैं कि नए सेंटर को शुरू करने की तैयारियां तेजी से चल रही है। जनवरी के दूसरे सप्ताह तक तैयारी पूरी कर ली जाएगी। इसलिए अगले माह के तीसरे सप्ताह तक इसमें चिकित्सा सुविधाएं शुरू हो जाएगी। इसमें 150 बेड और सात आपरेशन थियेटर की सुविधा होगी। इससे सर्जरी अधिक हो सकेगी। इसलिए सर्जरी की वेटिंग की समस्या दूर होगी। इस सेंटर में अंडर वाटर ट्रेड मिल, थ्री डी मोशन एनालिसिस, बायो मैकेनिकल लैब जैसी सुविधाएं होंगी।

सेंटर में वाटर पूल की सुविधा

अस्पताल के डॉक्टर बताते हैं कि सेंटर में वाटर पूल की सुविधा होगी। इसका इस्तेमाल चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन के लिए इस्तेमाल होगा। रिहैबिलिटेशन के दौरान खिलाड़ियों के शरीर का ऊपरी हिस्सा पानी से बाहर और शरीर के नीचे का हिस्सा पानी के अंदर होगा और वे पानी में ट्रेड मिल पर रनिंग कर सकेंगे। इससे खिलाड़ियों की रिकवरी जल्दी हो सकेगी।

क्राइम सीन रीक्रिएट करेगी दिल्ली पुलिस, लोकसभा अध्यक्ष से मांगी अनुमति; बीजेपी सांसद के भी बयान होंगे दर्ज

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर क्राइम सीन रिक्रिएशन करने के लिए अनुमति मांगी है। इससे आरोपितों द्वारा घटना को अंजाम दिए जाने के बारे में सही जानकारी मिल सके। संसद सचिवालय से इसकी अनुमति मिलने के बाद दिल्ली पुलिस क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकेगी।

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर क्राइम सीन रिक्रिएशन करने के लिए अनुमति मांगी है। दिल्ली पुलिस संसद के अंदर और बाहर क्राइम सीन का रिक्रिएशन करना चाहती है, ताकि इससे आरोपितों द्वारा घटना को अंजाम दिए जाने के बारे में सही जानकारी मिल सके। संसद सचिवालय से इसकी अनुमति मिलने के बाद दिल्ली पुलिस क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकेगी।

बीजेपी सांसद के भी बयान होंगे दर्ज

उधर कर्नाटक के मैसूरु से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का भी दिल्ली पुलिस जल्द बयान दर्ज करेगी। दिल्ली पुलिस द्वारा उनसे संपर्क साधने पर उन्होंने अगले सप्ताह अपने आवास पर बयान देने की बात कही है। वह अगले सप्ताह दिल्ली स्थित अपने आवास पर लौटेंगे। इन्हीं के निजी सहायक द्वारा पास जारी करने पर दो आरोपित सागर शर्मा व मनोरंजन गौड़ संसद भवन के अंदर प्रवेश करने में कामयाब हुए थे।

आरोपी मनोरंजन के पिता हैं प्रतिष्ठित व्यक्ति

मनोरंजन के पिता मैसूरु के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। उनके घर की तलाशी लेने पर दर्जनों उपन्यास और अन्य सामान बरामद किया गया है। नीलम आजाद कुछ साल पहले किसान आंदोलन में भाग लिया था। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस अब तब छह आरोपित सागर शर्मा, मनोरंजन गौड़, नीलम आजाद, अमोल शिंदे, ललित झा व महेश को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें किसी के खिलाफ भी पहले किसी आपराधिक मामले में शामिल नहीं पाया गया है।

ललित के माता-पिता ने बताया बेटे को निर्दोष

ललित के माता-पिता ने बेटे को निर्दोष बताते हुए कहा है कि उनका बेटा ट्यूशन पढाने का काम करता है। वह कभी किसी से गलत व्यवहार नहीं करता है। अभी तक उसके घर में टेलीविजन नहीं है। सागर ने डायरी में समाज के लिए अत्यधिक त्याग करने की बात करते हुए इस बात का भी जिक्र किया है कि देश पर हुकूमत चलाने वालों से ज्यादा त्याग करने वाला ताकतवर होता है। पुलिस का कहना है कि ललित ने सभी के मोबाइल को इसलिए नष्ट कर दिया क्योंकि समूह में शामिल सदस्यों को बचाया जा सके।

एल्विश यादव के नाम पर पशुप्रेमी संस्था के अधिकारियों को दी गई जान से मारने की धमकी, गाड़ियों का पीछा करने का आरोप

पशुप्रेमी संस्था पीपल फॉर एनीमल से जुड़े राजनगर एक्सटेंशन निवासी सौरभ गुप्ता ने यूटयूबर एल्विश यादव के नाम पर कुछ लोगों पर धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने नंदग्राम थाने में अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। कार सवार एक व्यक्ति ने दोनों भाइयों का नाम बुलाते हुए गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देने लगे फिर फरार हो गए।

सौरभ गुप्ता कहना है कि नोएडा में मुकदमा दर्ज कराने के बाद से दोनों भाइयों को इंटरनेट मीडिया पर धमकी दी जा रही है। उन्हें कई बार एहसास हुआ कि उनकी गाड़ी को फॉलो किया जा रहा है। बुधवार देर रात करीब सवा 11 बजे वह राजनगर एक्सटेंशन स्थित गौड कास्केड सोसायटी में अपने घर आ रहे थे।

गाजियाबाद। पशुप्रेमी संस्था पीपल फॉर एनीमल से जुड़े राजनगर एक्सटेंशन निवासी सौरभ गुप्ता ने यूटयूबर एल्विश यादव के नाम पर कुछ लोगों पर धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने नंदग्राम थाने में अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

राजनगर एक्सटेंशन निवासी सौरभ गुप्ता एवं उनके भाई गौरव गुप्ता पशुप्रेमी संस्था पीपल फार एनीमल (पीएफए) से जुडे हुए हैं। सारैभ गुप्ता पीएफए में एनीमल वेलफेयर ऑफिसर हैं। नोएडा सेक्टर-49 थाने में उनके भाई गौरव गुप्ता की शिकायत पर तीन नवंबर को यूटयूबर एल्विश यादव समेत सात लोगों पर सांप के जहर का प्रयोग रेव पार्टी में करने का केस दर्ज किया गया था।

दोनों भाइयों को दी जा रही धमकी

सौरभ गुप्ता कहना है कि नोएडा में मुकदमा दर्ज कराने के बाद से दोनों भाइयों को इंटरनेट मीडिया पर धमकी दी जा रही है। उन्हें कई बार एहसास हुआ कि उनकी गाड़ी को फॉलो किया जा रहा है। बुधवार देर रात करीब सवा 11 बजे वह राजनगर एक्सटेंशन स्थित गौड कास्केड सोसायटी में अपने घर आ रहे थे।

अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार

सोसायटी के बाहर एक वैगनआर कार तेजी से उनकी कार के आगे आकर रुकी। कार में चार-पांच लोग बैठे हुए थे। कार सवार एक व्यक्ति ने दोनों भाइयों का नाम बुलाते हुए गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद आरोपित अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

पीड़ित की शिकायत पर नंदग्राम थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए आरोपितों की कार का नंबर तलाशकर शीघ्र पकड़ा जाएगा। - रवि कुमार सिंह,

नशे में धुत युवकों ने गार्ड को जमकर पीटा, पीड़ित ने सोसाइटी में शोर मचाने और गाली-गलौच करने से किया था मना

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू सोसाइटी में नशे में धुत युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों ने तेज आवाज में गाली देनी शुरू की तो सुरक्षागार्ड ने उनको मना किया। आरोपित युवकों ने सुरक्षागार्ड को डंडे से पीटा। सुपरवाइजर से भी अभद्रता की गई। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू सोसाइटी में नशे में धुत युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों ने तेज आवाज में गाली देनी शुरू की तो सुरक्षागार्ड ने उनको मना किया। आरोपित युवकों ने सुरक्षागार्ड को डंडे से पीटा। सुपरवाइजर से भी अभद्रता की गई। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बिसरख कोतवाली पुलिस ने मामले में पांच युवक बृजेश कुमार, अमन त्रिपाठी, रणधीर मिश्रा, अंकित कुमार व अमित पांडेय को गिरफ्तार किया है। अमित पंचशील ग्रीन सोसाइटी में रहता है, जबकि अन्य चारों गाजियाबाद में रहते थे। आरोपित अपने दोस्त के फ्लैट पर पार्टी करने समृद्धि सोसाइटी में पहुंचे थे।

युवकों को शोर मचाते देखा

बिसरख कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि सोसाइटी के ए टावर में युवक रहता है। उसके फ्लैट पर आरोपित पार्टी करने के लिए शुक्रवार रात आए थे। सुरक्षाकर्मी अनिरूद्ध रात के दौरान सोसाइटी में गश्त कर रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि टावर के फ्लोर में युवक शोर मचा रहे है।

गाली देने से रोका तो कर दी पिटाई

शराब के नशे में धुत युवक गाली दे रहे थे। वहां कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने युवकों को नहीं टोका। सुरक्षाकर्मी ने आरोपितों को टोका और गाली नहीं देने के लिए कहा। गुस्साए आरोपितों ने अनिरूद्ध की पिटाई कर दी। वहां, मौजूद लोग सुरक्षाकर्मी को पिटते हुए देखते रहे, लेकिन आरोपितों को रोकने की कोशिश नहीं की। मारपीट करने के बाद आरोपित वहां से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार किया।

कार्टून के जरिए छात्रों को पढ़ाई जाएगी संस्कृत: राज सिंह यादव

बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से छात्रों को भाषा में परिपक्व बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि छात्र संस्कृत भाषा को पढ़ने में रुचि नहीं दिखाते हैं। संस्कृत भाषा की ओर छात्रों का रुझान बढ़े। इसके लिए नए सत्र से राज्य शिक्षा संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी में है।

ग्रेटर नोएडा। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से छात्रों को भाषा में परिपक्व बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि छात्र संस्कृत भाषा को पढ़ने में रुचि नहीं दिखाते हैं। संस्कृत भाषा की ओर छात्रों का रुझान बढ़े। इसके लिए नए सत्र से राज्य शिक्षा संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी में है।

परिषदीय स्कूलों के छात्रों के लिए संस्कृत की कविताओं पर कार्टून तैयार कराए जा रहे हैं। डायट प्राचार्य राज सिंह यादव ने बताया कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में भी इसके लिए कार्य किए जा रहे हैं। कुछ संस्कृत कविताओं पर आधारित कार्टून तैयार किए जा चुके हैं।

नए सत्र से जिले के चारों ब्लाक के 511 परिषदीय स्कूलों में इसे दिखाने की व्यवस्था की जा रही है। किसी भी भाषा से छात्रों को जोड़ने का यह सरल माध्यम है। कार्टून के माध्यम से पढ़ाई कराने से वह जल्दी सिख सकेंगे। प्रत्येक कक्षा के हिसाब से कार्टून तैयार किए जा रहे है,जिससे छात्रों को उसे समझने में आसानी हो सके।

राज्य संस्थान की तरफ से तैयार कराए जा रहे एनिमेटेड संस्कृत कविताओं में कई लोक प्रिय कविताओं पर आधारित एनिमेशन को तैयार कराया जा रहा है। इसके प्रसारण की व्यवस्था परिषदीय स्कूलों में बैगलेस डे के दिन करने की व्यवस्था की होगी,जिससे छात्र मनोरंजन के साथ ही संस्कृत भाषा के प्रति अपनी रूचि बढ़ सके। अब तक आधा दर्जन के करीब कार्टून वीडियो की क्लिप तैयार हो चुकी है, अन्य पर कार्य चल रहा है। मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षण देंगे,जिससे अधिक से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिल सके।

डासना जेल से सामने आई कैदियों की हैरान करने वाली रिपोर्ट; एडस, हेपेटाइटिस और STD के मिले मरीज

उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी के निर्देश पर आठ से 14 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला कारागार डासना में स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। सात दिवसीय स्क्रीनिंग कैंप के दौरान कुल 4308 जेल बंदियों में से 4050 की स्क्रीनिंग हुई। सबसे अधिक हेपेटाइटिस-सी के 49 और हेपेटाइटिस बी के 18 रोगी मिले। सभी मरीजों का इलाज शुरू कर दिया गया।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी के निर्देश पर आठ से 14 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला कारागार, डासना में स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। सात दिवसीय स्क्रीनिंग कैंप के दौरान कुल 4308 जेल बंदियों में से 4050 की स्क्रीनिंग हुई।

सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि स्क्रीनिंग के दौरान जिला कारागार में एसटीडी (सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज), एचआईवी (ह्युमन इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस), टीबी (क्षय रोग) तथा हेपेटाइटिस की जांच की गई। जांच के दौरान सात जेल बंदी एचआईवी (एड्स) पॉजिटिव मिले, इनमें एक महिला बंदी भी शामिल है।

सबसे अधिक हेपेटाइटिस-सी के 49 और हेपेटाइटिस बी के 18 रोगी मिले। एक जेल बंदी एसटीडी पीड़ित भी मिला। सभी का उपचार शुरू कर दिया गया है। लगाए गए सात दिवसीय जांच शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से काउंसलर बिहारी ठाकुर, राहुल वर्मा, रेणु यादव और सुमन चौधरी के अलावा लैब टेक्नीशियन जयकेश यादव, नवाब, ललित चौधरी और अवनीश की डयूटी लगाई गई थी।

सभी मरीजों का इलाज शुरू

इस दौरान जेल बंदियों की स्क्रीनिंग और जांच के साथ ही जरूरत के हिसाब से काउंसलिंग और उपचार भी प्रदान किया गया। इस दौरान एचआईवी, टीबी, हेपेटाइटिस और एसटीडी से बचाव के बारे में जेल बंदियों को जागरूक किया गया।उन्हें बताया गया कि एचआईवी रोगी को छूने, साथ उठने -बैठने और खाने -पीने से यह रोग नहीं फैलता। इस रोग का संचार शरीर से निकलने वाले दृव्य या रक्त के संपर्क में आने से, असुरक्षित यौन संबंधों से, संक्रमित द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुई (निडिल) या ब्लेड आदि से हो सकता है।

एसटीडी को जानें

एक यौन संचारित संक्रमण है, यह बैक्टीरिया ट्रेपोनिमा पैलिडम के कारण होता है। शुरुआत में संक्रमण वाले स्थान पर दर्द रहित घाव होता है, दूसरे चरण में दाने, बुखार, थकान, सिरदर्द और भूख में कमी की शिकायत होती है। सीरोलॉजिकल परीक्षण के जरिए इस रोग की जांच की जाती है। हेपेटाइटिस में लिवर में सूजन आ जाती है और रोगी को पीलिया हो जाता है। इसके लक्षणों में पेशाब का रंग बदलना, बहुत अधिक थकान, उल्टी या जी मिचलाना, पेट में दर्द और सूजन, खुजली, भूख न लगना और अचानक वजन कम होना आदि शामिल हैं।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

प्रह्लाद सबनानी

अयोध्या में श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

अंततः वह घड़ी भी बहुत करीब आ पहुंची है, जिसका इंतजार हिंदू धर्मावलंबी पिछले लगभग 500 वर्षों से कर रहे हैं। 5 अगस्त 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक मोहन जी भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परम पूजनीय सर संघचालक मोहन जी भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पूरे भारत में वातावरण राममय होने जा रहा है।

अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। हाल ही में सम्पन्न दीपावली त्यौहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50,000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा। अयोध्या में होटल और रिजोर्ट का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमे कई फाइव स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेल्वे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं के विकसित होने के पश्चात अयोध्या में बढ़ने वाले धार्मिक पर्यटन से लाखों की संख्या में नए रोजगार के अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटकों के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अपार आर्थिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल, यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार के पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार के छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या के आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अपने आप में अयोध्या आस्था के केंद्र के साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम तो अपने मंदिर में बिराजेंगे ही, साथ ही इस क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों को भी आर्थिक रूप से अत्यधिक लाभ होने जा

रहा है। अयोध्या में पूरे विश्व से पर्यटकों के आने से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख ही लग जाएंगे।

भारत में अयोध्या की तर्ज पर ही अन्य धार्मिक स्थल भी विकसित किए गए हैं। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर विकसित किया जा चुका है। गुजरात में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। पावागढ़ गुजरात में ही मां कालका मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम प्रोजेक्ट पर भी कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उज्जैन में महाकाल कोरिडोर का निर्माण हुआ है। असम में माता कामाख्या कोरिडोर बन रहा है। पूरे भारत में ही धार्मिक स्थलों को विकसित कर देश में धार्मिक एवं क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत के पर्यटन मंत्रालय के एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2021-22 में भारत में पर्यटन गतिविधियों से 1.34 लाख करोड़ रुपए की आय हुई है, जबकि वर्ष 2020-21 में धार्मिक पर्यटन से 65,000 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस प्रकार भारत में विकसित किए विभिन्न धार्मिक स्थलों के कारण पर्यटन की गतिविधियों से आय मात्र एक वर्ष के अंतराल में ही दोगुनी से भी अधिक हो गई है।

सेंटर फोर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलान्थ्रोपी के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में विभिन्न मंदिरों को मिलने वाला घरेलू दान 14 प्रतिशत बढ़कर 27,000 करोड़ रुपए का हो गया है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 23,700 करोड़ रुपए का दान विभिन्न मंदिरों को प्राप्त हुआ था। विशेष रूप से वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर के विकसित किए जाने के बाद से काशी विश्वनाथ मंदिर को मिलने वाला दान 500 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2021-22 में काशी विश्वनाथ मंदिर को 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ था। साथ ही, इस दौरान वाराणसी में धार्मिक पर्यटन भी 1000 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी प्रकार, उज्जैन में महाकाल कोरिडोर के विकसित होने के पश्चात बाबा महाकाल मंदिर में धार्मिक पर्यटन 1800 प्रतिशत बढ़ा है। इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन बढ़ने से चूंकि व्यापार बढ़ रहा है अतः इन क्षेत्रों में रोजगार के हजारों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। अब तो वृंदावन में भी बांके बिहारी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं का बांके बिहारी मंदिर में पहुंचना आसान हो सके।

विशेष रूप से प्रभु श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में केवल एक भव्य मंदिर बनाने की परिकल्पना नहीं की गई है बल्कि भव्य मंदिर के साथ साथ विशाल पुस्तकालय, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, वेदपाठशाला, यज्ञशाला, सत्संग भवन, धर्मशाला, प्रदर्शनी, आदि को भी विकसित किया जा रहा है, ताकि आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम के काल पर अनुसंधान करने में आसानी हो। प्रभु श्रीराम के मंदिर को राष्ट्र मंदिर भी कहा जा रहा है क्योंकि यहां आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान कराएगा। पूरे विश्व में यह मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए आस्था का केंद्र बनने जा रहा है अतः यहां पूरे विश्व से सैलानियों का लगातार आना बना रहेगा। यह मंदिर पूरे विश्व में हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए एक महत्वपूर्ण आस्था का केंद्र बनने के साथ साथ पर्यटन के एक विशेष केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है, इसलिए प्रभु श्रीराम की कृपा से करोड़ों व्यक्तियों की मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

-प्रहलाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

टाटा की दो सबसे अधिक बिकने वाली कार कितनी खास, कीमत 6 लाख रुपये से शुरू

भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन की कीमत 8.10 लाख रुपये से लेकर 15.50 लाख रुपये तक है। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले 10.25-इंच फुल डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले मिलता है। इंडियन मार्केट में टाटा पंच की कीमत 6 लाख रुपये से 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) तक है। इस कार में फीचर्स के तौर पर 7.0 इंच टचस्क्रीन सिस्टम सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर ऑटो एसी मिलता है।

दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। कंपनी की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक पंच और नेक्सन है। वाहन निर्माता कंपनी ने नेक्सन को साल 2017 में लॉन्च किया था। इसके बाद पंच को 2021 में लॉन्च किया गया था। भारतीय बाजार में पंच जब से मार्केट में लॉन्च हुई है तब से ये लोगों को ये काफी अधिक पसंद आ रही है। इसके फीचर्स और बजट के कारण। इस कार में कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। जिसके कारण इसे पसंद किया जाता है। टाटा की ये दोनों ही कारें सबसे अधिक बिकने वाली कारों की लिस्ट में शामिल है।

टाटा मोटर्स की टॉप सेलिंग कार में से एक है। बीते नवंबर में पंच की सेल टाटा नेक्सन के लगभग बराबर ही है। इन दोनों के ब्रिकी आंकड़ों में काफी अंतर रहा है। नवंबर 2023 में Tata Nexon की 14,916 यूनिट्स बिकीं जबकि नवंबर 2022 में 15,871 यूनिट्स बिकी थीं। वहीं नवंबर 2023 में Tata Punch की 14,383 यूनिट्स बिकीं जबकि नवंबर 2022 में 12,131 यूनिट्स बिकी थीं।

वहीं सालाना आधार पर पंच की सेल बढ़ी है और नेक्सन की घटी है। इन आंकड़ों के साथ नवंबर महीने में टाटा नेक्सन सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी रही है और टाटा पंच सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी रही है।

Tata Nexon

भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन की कीमत 8.10 लाख रुपये से लेकर 15.50 लाख रुपये तक है। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, 10.25-इंच फुल डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलैस फोन चार्जिंग और क्रूज़ कंट्रोल जैसे कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन (120 पीएस/170 एनएम) और 1.5-लीटर डीजल इंजन (110 पीएस/260 एनएम) का ऑप्शन भी है।

Tata Punch

इंडियन मार्केट में इस कार की कीमत 6 लाख रुपये से 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक है। इस कार में फीचर्स के तौर पर 7.0 इंच टचस्क्रीन सिस्टम, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ऑटो एसी, ऑटोमेटिक हेडलाइट्स/वाइपर और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसमें एक केवल इंजन ऑप्शन मिलता है। इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल मिलता है। जो 86 पीएस और 113 एनएम जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

भारतीय बाजार में इस साल लॉन्च हुई ये दमदार सीएनजी कारें, कीमत 6.55 लाख रुपये से शुरू

Top 6 CNG Cars Launched In 2023 इस साल कई शानदार सीएनजी कारें लॉन्च हुई है। इस खबर के माध्यम से इस साल लॉन्च हुई सीएनजी कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। TATA PUNCH CNG भारतीय बाजार में सबसे अधिक बिकने वाली मॉडल में से एक है। इस कार में कुल पांच वेरिएंट - प्योर एडवेंचर एडवेंचर रिदम एक्म्प्लिश्ड और एक्म्प्लिश्ड डैज़ल एस मिलते हैं।

नईदिल्ली। भारतीय बाजार में इस समय सीएनजी कारों की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। इस साल कई शानदार सीएनजी कारें लॉन्च हुई है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से इस साल लॉन्च हुई सीएनजी कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। चलिए देखते हैं इसमें क्या कुछ खास है।

TATA ALTROZ CNG

टाटा मोटर्स ने मई 2023 में अल्ट्रोड हैचबैक का सीएनजी वर्जन लॉन्च किया है। इसमें नई ट्विन सिलेंडर सीएनजी तकनीक मिलती है। इसमें सबसे खास बात ये है कि ये कार सनरूफ के साथ आने वाली पहली सीएनजी कार है। इस कार की कीमत 7.55 लाख रुपये से 10.55 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है।

TATA TIAGO और TIGOR CNG

टाटा टियागो हैचबैक और टिगोर कॉम्पैक्ट सेडान कार की नई ट्विन-सिलेंडर सीएनजी के साथ आने वाली कार है। इस कार की कीमत 6.55 लाख रुपये से 8.20 लाख रुपये के बीच है। वहीं, टिगोर की कीमत 7.80 लाख रुपये से 8.95 लाख रुपये (सभी एक्स-शोरूम) के बीच है।

TATA PUNCH CNG

भारतीय बाजार में ये सबसे अधिक बिकने वाली मॉडल में से एक है। इस कार में कुल पांच वेरिएंट - प्योर, एडवेंचर, एडवेंचर रिदम, एक्म्प्लिश्ड और एक्म्प्लिश्ड डैज़ल एस मिलते हैं। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 7.10 लाख रुपये, 7.85 लाख रुपये, 8.20 लाख रुपये, 8.85 लाख रुपये और 9.68 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

MARUTI BREZZA CNG

मार्केट में मारुति सुजुकी ब्रेजा भारत की पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी है। ये सीएनजी के साथ आती है। इस कार की कीमत 9.24 लाख रुपये से 12.15 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक है। इस कार की माइलेज 25.52km/kg की है।

MARUTI GRAND VITARA CNG

मार्केट में मारुति की एक और कार सीएनजी में आती है। मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा सीएनजी की कीमत 13.05 लाख रुपये से 14.86 लाख रुपये के बीच है। इस कार की माइलेज 26.6 किमी/किलोग्राम है।

स्पोर्ट्स बाइक के शौकीन लोगों के लिए शानदार मौका, Kawasaki अपने कई मॉडल्स पर दे रही है बंपर छूट

नए साल के मौके पर आप अपने घर पर एक धांसू स्पोर्ट्स बाइक खरीद सकते हैं। टू -व्हीलर बनाने वाली कंपनी Kawasaki दिसंबर 2023 में अपने कई मॉडल्स पर फेस्टिव सीजन की छूट दे रही है। यह ऑफर कंपनी के लाइनअप में कई मॉडल्स पर उपलब्ध है। इसमें Versys 650 adventure tourer से लेकर Ninja 400 तक शामिल है।

नईदिल्ली। अगर आप स्पोर्ट्स बाइक के शौकीन है और अपने लिए एक नई मोटरसाइकिल खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके लिए ये खबर काम की है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि नए साल के मौके पर आप अपने घर पर एक धांसू स्पोर्ट्स बाइक खरीद सकते हैं।

टू -व्हीलर बनाने वाली कंपनी Kawasaki दिसंबर 2023, में अपने कई मॉडल्स पर फेस्टिव सीजन की छूट दे रही है। यह ऑफर कंपनी के लाइनअप में कई मॉडल्स पर उपलब्ध है। इसमें Versys 650 adventure tourer से लेकर Ninja 400 तक शामिल है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

यहां मिल रही पूरे 60 हजार रुपये की छूट

आपको बता दें, वाहन निर्माता कंपनी Versys 650 adventure tourer मॉडल पर 20,000 रुपये तक की छूट दे रही है। इस मोटरसाइकिल की कीमत 7.77 लाख रुपये है। वहीं इसके ट्विन-सिलेंडर मॉडल बाइक Ninja 650 स्पोर्टबाइक पर 35 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। इस मोटरसाइकिल की कीमत 7.16 लाख रुपये है। इसके अलावा Ninja 400 पर भी 35,000 रुपये की ही छूट मिल रही है इसकी कीमत 5.24 लाख रुपये है। Vulcan S cruiser पर कंपनी 60 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। इसकी कीमत 7.10 लाख रुपये है।

न्यू लॉन्च बाइक मचा रही धूम

वाहन निर्माता कंपनी ने इंडिया बाइक वीक में मोस्ट अवेटेड मोटरसाइकिल कावासाकी W175 स्ट्रीट बाइक को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसके स्टैंडर्ड मॉडल की तुलना में 12 हजार रुपये से अधिक का सस्ता कर दिया है। कावासाकी के नए लॉन्च हुए रेट्रो-क्लासिक वाली मोटरसाइकिल की कीमत 1.35 लाख रुपये (एक्स शोरूम) है। इस बाइक की डिलीवरी भी इसी महीने से शुरू हो जाएगी। इसमें 177 सीसी का एयर कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन मिलता है।

नए साल पर घर ले आएं इन दमदार सेफ्टी फीचर्स से लैस कारें, कीमत 6 लाख रुपये से शुरू

पहले के समय में जब कोई कार लेने जाता था तो सबसे पहले कार का लुक स्टाइल देखते थे। लेकिन अब समय बदल गया है। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सेफ कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। Tata Altroz को 5 स्टार एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन के साथ 16.3/17 का स्कोर भी मिला है।

नईदिल्ली। इस समय मार्केट में कई दमदार कारें मौजूद है। आज के समय में कोई भी अपने लिए एक नई कार खरीदने जाता है तो वो कार के सेफ्टी फीचर्स के बारे में जानना अधिक पसंद करता है। पहले के समय में जब कोई कार लेने जाता था तो सबसे पहले कार का लुक ,स्टाइल देखते थे। लेकिन अब समय बदल गया है। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सेफ कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।

Volkswagen Taigun/Skoda Kushaq

Volkswagen Taigun/Skoda Kushaq को Global NCAP की क्रैश टेस्ट में एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (29.64/34) और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (42/49) स्कोर के साथ 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इन दोनों कार में आपको कई दमदार फीचर्स भी मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें डुअल एयरबैग, ESC, ABS के साथ EBD, ट्रैक्शन कंट्रोल, डुअल फ्रंट एयरबैग, थ्री-पॉइंट सीटबेल्ट, ISOFIX चाइल्ड सीट एंकरेज, टायर प्रेशर मॉनिटर सिस्टम जैसे कई सारे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें, स्कोडा कुशाक की कीमत 10.89 लाख एक्स शोरूम से शुरू हैं और फॉक्सवैगन टाइगन प्राइस 1.0 टीएसआई कंफर्टलाइन (पेट्रोल) के लिए 11.62 लाख एक्स शोरूम से शुरू है।

Tata Punch

भारतीय बाजार में इस कार की सबसे अधिक सेल होती है। इसे सेफ्टी में 5 स्टार रेटिंग मिली है। जबकि चाइल्ड ऑक्यूपेंट सुरक्षा में इस कार ने 4 स्टार रेटिंग मिली है। इस कार में आपको कई दमदार सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं। इस कार में 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटो एयर कंडीशनिंग, ऑटोमैटिक हेडलाइट्स, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्रूज कंट्रोल जैसे कई फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग्स , ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर, रियर पार्किंग सेंसर, रियर-व्यू कैमरा और ISOFIX एंकर जैसे फीचर्स मिलता है। टाटा पंच की कीमत 6 लाख रुपये से लेकर 9.52 लाख रुपये तक है।

Mahindra XUV300

इस कार में भी आपको एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन के लिए 17 में से 16.42 का नंबर मिला है। जबकि चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसने 49 में से 37.44 पॉइंट्स मिले हैं। इस कार को एडल्ट प्रोटेक्शन में 5 स्टार और चाइल्ड प्रोटेक्शन में 4 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसकी कीमत 8.41 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं। इस कार में फीचर्स के तौर पर डबल किक डाउन शिफ्ट, एडवांस क्रीप फंक्शन, जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा, सनरूफ, क्रूज़ कंट्रोल और एंड्रॉयड ऑटो और ऐपल कारप्ले के साथ 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, रेन-सेंसिंग वाइपर, ऑटो एसी और कनेक्टेड कार टेक मिलता है।

Tata Altroz

इस कार को 5 स्टार एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन के साथ 16.3/17 का स्कोर भी मिला है। जबकि चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसको 3 स्टार के साथ 29/49 स्कोर भी मिला है। इस कार की कीमत 6,59,900 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं। इसमें सेफ्टी के तौर पर रियर पार्किंग सेंसर और ISOFIX चाइल्ड सीट माउंट , डुअल एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, कॉर्नरिंग स्टेबिलिटी कंट्रोल, ब्रेक स्वे कंट्रोल मिलता है।

3 राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरों के माध्यम से भाजपा ने दिये हैं बड़े राजनीतिक संकेत

मृत्युंजय दीक्षित

तीनों राज्यों में बने नये मुख्यमंत्रियों के नाम कहीं भी किसी भी चर्चा में दूर दूर तक नहीं आए थे। उनके विषय में बताने के लिए टीवी चैनल गूगल का सहारा ले रहे थे। विपक्षी खेमे में हड़कंप मचा हुआ है कि बिना किसी गुटबाजी के भाजपा अपने नये चेहरे कैसे चुन रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन प्रमुख राज्यों में भाजपा को अप्रत्याशित विजय मिली। भाजपा ने ये चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लड़ा था और राज्य में किसी भी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया था। विपक्ष के लिए ये भी हैरान करने वाली बात थी कि कई सांसदों को भी जिनमें कुछ तो मंत्री थे पार्टी ने विधानसभा का चुनाव लड़ने का आदेश दिया था। कई बड़े चेहरे जीते तो मुख्यमंत्री कौन होगा ? भाजपा की विजय के साथ ही मुख्य धारा और सोशल मीडिया के सूत्र अटकलें लगाने लगे। मुख्यमंत्री चयन की प्रक्रिया में देरी, राजस्थान में वसुंधरा के घर हलचल और मध्य प्रदेश में शिवराज जी की दिल्ली न जाने की घोषणा ने राजनैतिक विश्लेषकों और भविष्यवक्ताओं को काम पर लगा रखा था। मीडिया के सूत्र प्रतिदिन सुबह से शाम तक चार-पांच नाम चलाते और पीछे करते रहते थे। इन्हीं अटकलों के बीच जब भाजपा ने तीनों प्रान्तों के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा की तो मीडिया उसमें भी कथा कहानी ढूँढ़ने लगा किन्तु उनका भी कोई आधार नहीं था।

तीनों राज्यों में बने नये मुख्यमंत्रियों के नाम कहीं भी किसी भी चर्चा में दूर दूर तक नहीं आए थे। उनके विषय में बताने के लिए टीवी चैनल गूगल का सहारा ले रहे थे। विपक्षी खेमे में हड़कंप मचा हुआ है कि बिना किसी गुटबाजी के भाजपा अपने नये चेहरे कैसे चुन रही है। सभी टीवी चैनलों पर कौन बनेगा मुख्यमंत्री पर तरह तरह के विश्लेषण चल रहे थे किंतु अब सभी विश्लेषक हैरान हो गये और यह भी चर्चा करने लग गये कि वो लोग टीवी पर जिस भी चेहरे को आगे कर देते हैं भाजपा में वह चेहरा पीछे छूट जाता है और फिर एकदम नया चेहरा सामने आ जाता है। अब देश के मीडिया जगत के बड़े नामों को यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि वर्तमान समय की भारतीय राजनीति में यदि कोई सबसे बड़ा चुनावी सर्वे करने वाला और राजनीतिक भविष्यावाणी करने व्यक्ति है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। बेहद विपरीत परिस्थितियों के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व उनके धुआंधार प्रचार की बदौलत ही भाजपा की तीनों राज्यों में जोरदार वापसी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ में एक बड़े आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर चौंकाया और फिर अरूण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को विधानसभा अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव करके सभी प्रकार की अटकलों पर विराम लगा दिया गया। आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाने का लाभ भाजपा को छत्तीसगढ़ में मिला और वहां की आदिवासी बहुल क्षेत्रों की अधिकांश सीटों पर भाजपा को विजयश्री प्राप्त हुई। सबसे बड़ी बात यह है कि आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में राज्य का गठन होने के बाद से एक आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग की जा रही थी जिसे अब भाजपा ने विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर पूरा कर दिया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी हैं और किसान परिवार से हैं। वह कुनकुरी विधानसभा सीट से जीते हैं वहीं वह 1999 से 2014 तक रायगढ़ लोकसभा सीट से सांसद भी रहे। वह पूर्व में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने जनता से अपील की थी कि आप साय को जितायें तो हम उन्हें बड़ा आदमी बना देंगे। अब साय मुख्यमंत्री बन गये हैं। यदि समग्र दृष्टि डाली जाये तो यह पता चलता है कि बिना किसी चेहरे को आगे किये चुनाव लड़ रही भाजपा ने प्रचार के दौरान ही यह तय कर लिया था कि अगर सरकार बनती है वह राज्य की कमान किसे सौंपेगी। साय का नाम भी किसी टीवी चैनल की डिबेट में नहीं चल रहा था। यहां पर भाजपा ने बिना किसी विशेष तैयारी के चुनाव लड़ा फिर भी शानदार विजय प्राप्त की और चुनावों के बाद रमन सिंह के प्रभाव से मुक्ति भी पा ली है हालांकि भाजपा ने रमन सिंह को दरकिनार नहीं किया है और उन्हें विधानसभा अध्यक्ष जैसा पद देकर उनका सम्मान बनाए रखा है। दूसरी सबसे बड़ी बात यह है कि साय का परिवार संघ से जुड़ा रहा है। उनके पिता और दादा भी संघ के स्वयंसेवक रहे हैं तथा राम मंदिर आंदोलन के आरंभिक दिनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मध्यप्रदेश

विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक विजय के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के स्थान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे उज्जैन दक्षिण के विधायक डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर सभी को हैरान कर दिया। मध्य प्रदेश में यह माना जा रहा था कि चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को उनके परिश्रम का प्रतिफल दिया जा सकता है और संभवतः वे लोकसभा चुनावों तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ और मामा जी को एक नए चेहरे के लिए अपनी दावेदारी से पीछे हटना ही पड़ा। मध्य प्रदेश में विरोधी प्रचार करने में जुट गये थे कि भाजपा में गुटबाजी के कारण नेता चयन में देरी हो रही है किंतु जब मोहन यादव के नाम का ऐलान हुआ तो सभी लोग हैरान रह गये। उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव समाज के बड़े नेता परेशान हैं कि अब आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा एक यादव मुख्यमंत्री के सहारे अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने जा रही है। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं जिसमें पहला यह है कि अब मध्य प्रदेश में बीजेपी को एक नया चेहरा मिल चुका है। विगत चुनावों के दौरान कांग्रेस मामा जी पर भ्रष्टाचार व घोटालों के आरोप लगा रही थी और चुनाव प्रचार के दौरान 40 प्रतिशत कमीशन खाने वाली सरकार कहकर बीजेपी को घेरने का प्रयास कर रही थी अतः अब ऐसे सभी आरोपों से फिलहाल राहत मिल गयी है। दूसरा भाजपा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर उत्तर प्रदेश व बिहार के यादव मतदाताओं को साधने का जोरदार प्रयास किया है। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाये जाने के कारण यूपी में सपा के लिए चुनौती बढ़ने जा रही है। यह बात तो समाजवादी नेता भी मान रहे हैं कि यूपी, बिहार व हरियाणा के यादव मतदाताओं को लुभाने की रणनीति के तहत ही मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में 10-12 प्रशित और बिहार में इनकी संख्या 14.26 प्रतिशत और हरियाणा में 10 प्रतिशत के आसपास है। अभी तक यूपी में अखिलेश यादव और बिहार में लालू यादव ही अपने आपको यादवों का एकमात्र बड़ा नेता घोषित करते आ रहे थे किंतु अब भाजपा के पास भी एक यादव नेता मिल गया है और वह है मोहन यादव। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर व उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने राज्य के मतदाताओं के बीच गजब की सोशल इंजीनियरिंग की है। पिछली सरकार में जहां नरोत्तम मिश्रा जो ब्राह्मण चेहरा थे वहीं अब मोहन यादव की सरकार में राजेंद्र शुक्ला ब्राह्मण चेहरा बनकर उभरे हैं। वहीं जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष बनाये गये हैं।

मोहन यादव काफी पढ़े लिखे हैं और उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से उनका सम्बंध है। जब मोहन के नाम की घोषणा हुई तब उनके ससुराल सुल्तानपुर में भी जश्न मनाया गया। मोहन यादव प्रख्यात संत एवं रामघाट स्थित सीताराम आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंददास उर्फ नेपाली बाबा के शिष्य हैं। 2016 में उज्जैन महाकुंभ के दौरान नेपाली बाबा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया था।

राजस्थान

लंबी बैठकों और तरह-तरह के कयासों के बाद आखिरकार राजस्थान को भी नया चेहरा मिल गया है और वहां भी महारानी वसुधंरा राजे का राज अब समाप्त हो चुका है तथा वहां पर एक ब्राह्मण चेहरे भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने सभी राजनैतिक पंडितों को बुरी तरह से चौंका दिया है और अब वह सभी लोग टीवी चैनलों पर बैठकर केवल अपना सिर खुजला रहे हैं कि आखिर भजन लाल शर्मा का नाम कैसे दौड़ में आ गया और वह पहली बार विधायक बने तथा पहली बार ही राज्य के मुख्यमंत्री बन गये। भजन लाल शर्मा के बारे में कहा जा रहा है कि वह संघ के करीबी हैं और चार बार महामंत्री रहे तथा संगठन में काफी सक्रिय रहे हैं। भजन लाल एक ब्राह्मण चेहरा हैं और बहुत दिनों बाद राजस्थान को एक ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिला है। राजस्थान में करीब 12 प्रतिशत ब्राह्मण आबादी है और संपूर्ण राज्य में फैली है वह एक शांत मतदाता माना जाता रहा है। राजस्थान की राजनीति में अभी तक केवल जाट, गुर्जर, दलित, मीणा आदि को लेकर ही चर्चाएं होती थीं किंतु अब बहुत दिनों बाद भाजपा ने ब्राह्मण को मुख्यमंत्री बनाकर सवर्ण समाज को संदेश दे दिया है क्योंकि उत्तर भारत की राजनीति में सवर्ण मतदाता भी एक अहम भूमिका अदा करते हैं। वहीं राजस्थान में दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया है वहीं वासुदेव देवनानी जो चार बार के विधायक रहे हैं, उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाकर राज्य के सिंधी और मारवाड़ी समाज को भी साधने का सफल प्रयस किया है। एक प्रकार से यदि देखा जाये तो भाजपा ने तीनों ही राज्यों में एक नया चेहरा देकर दूसरी पीढ़ी के नेताओं को पार्टी की बागडोर सौंपने की शुरुआत कर दी है। भाजपा ने यह भी बता दिया है उनके यहां जो भी कार्यकर्ता शांत रहकर केवल कार्य करता रहेगा, संगठन उन सभी का ध्यान रखता है और कोई भी साधारण से साधारण व्यक्ति ऊंचे पद पर बैठाया जा सकता है। संगठन में अब किसी भी स्तर पर गुटबाजी का दौर नहीं चलने वाला है। टीवी चैनलों पर सोशल मीडिया के माध्यम से जो लोग अपना प्रचार करते रहते थे वह सभी लोग मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर हो गये हैं। भाजपा ने जातिवाद की राजनीति को ध्वस्त करने के लिए जोरदार सोशल इंजीनियरिंग की है और विपक्ष हिंदू समाज को बांटने के लिए जातिगत जनगणना की जो रट लगाये था उस पर भी ब्रेक लगाने का सफल प्रयास किया है। भाजपा ने लोकसभा चुनावों के लिए तीन राज्यों में अपनी एकदम नई टीम बना ली है और अब समय आ गया है कि यह टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी गारंटी को पूरा करेगी ओर मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

संपादक की कलम से

दिल्ली में हिम महोत्सव

प्रदेश अपनी ब्रांडिंग का हुनर तराशने के लिए दिल्ली में हिम महोत्सव की पलकें बिछा रहा है। देश की राजधानी में आज से तीस दिसंबर तक यह महोत्सव 'कल्चर, क्राफ्ट और कुजीन के साथ मुखातिब होगा। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कला, कलाकार और खान-पान की अपनी विशिष्टता के साथ हिमाचल अपनी ब्रांडिंग के ऐसे अवसर जोड़ रहा है ताकि प्रदेश का कलात्मक पक्ष, व्यापार और बाजार की भीड़ में संभावनाएं तराश सके। स्वयं सहायता समूह, हथकरघा व हस्तशिल्प के नमूनों के साथ प्रदेश का परिचय रखेंगे। हिम महोत्सव के जरिए धाम के चटखारे कांगड़ा, चंबा और मंडी की रसोई परोसेंगे, तो उत्सव की व्यंजना सामने आएगी। जाहिर है कई विभागों की खिचड़ी में यह उत्सव अपनी सार्थकता के मायने तराशेगा, तो सुकून की इबारत में हिमाचल के उत्पादों को पेश करने का मौका मिलेगा। हिमाचल के पारंपरिक उत्पादों पर आधारित कई प्रयास महिलाओं के जरिए हो रहे हैं, जबकि कुछ युवा भी स्टार्ट अप के जरिए ऐसे उत्पादों को रेखांकित कर रहे हैं। हिमाचल में खंड स्तर पर कुछ अधिकारियों ने न केवल स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग का रास्ता खोजा, बल्कि प्रशासनिक दखल से इन्हें बाजार में खड़ा भी किया, लेकिन ऐसे प्रयासों में निरंतरता की कमी रही है या अधिकारी के बदलते सारी प्रक्रिया धड़ाम हो जाती है। करीब पांच साल पहले धर्मशाला के एक युवा खंड विकास अधिकारी ने स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग का बीड़ा उठाया तो 'नमस्ते धर्मशाला' के तहत शहद, हल्दी, चावल जैसे अनेक उत्पाद किसान बागबान से युवा उद्यमियों तक प्रोत्साहित होने लगे।

इसी प्रयास में पर्यटन के टूअर खेत और स्थानीय संस्कृति के आंगन तक पहुंचे, तो गीत-संगीत के तंबू के नीचे धाम की थाली का कद ऊंचा हो गया, लेकिन अधिकारी बदलते ही इस योजना के पांव में मोच आ गई। सिरमौर में महिला हॉट बाजार के हस्तक्षेप से इस दिशा में एक प्रशंसनीय कार्य हुआ है। इसी तरह विभिन्न जिलों में कई स्वयं सहायता समूहों ने ठेठ पहाड़ी उत्पादों से जुड़ी कला तथा स्वाद को संरक्षित तथा बाजार तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। लोग अपने तौर पर ऐसी खेती और बागबानी कर रहे हैं जिस तक न पालमपुर और न ही नौणी विश्वविद्यालय पहुंच पाए हैं। कांगड़ा के एक किसान के इस बार अपने ही अध्ययन, अनुभव व खर्च पर काले चावल उगा दिए, तो इसी तरह बागबानी क्षेत्र में फलों की पौध बदली जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ मौखिक क्रांतियां लोगों के अपने हस्तक्षेप से रंग ला रही हैं। बेशक हिमोत्सव में हिमाचल की परंपराएं, खेती के तरीके, पहरावों के पैटर्न, गीत-संगीत और नृत्य की परिभाषा सुदृढ़ होगी, लेकिन ऐसा बहुत है जिसे जीवित रखने की जरूरत है। हमने अपनी पारंपरिक खेती में रासायनिक खाद व अंधाधुंध छिडक़ाव से बहुत कुछ खो दिया है, लेकिन चटनी-आचार के साथ खेत व बाग का रिश्ता कायम है। आज भी बिलासपुर का जिमीकंद, नादौन-ऊना की घंडियाली, करसोग के राजमाह, भरमौर के माह, लाहुल-स्पीति के ब्राउन राइस या कांगड़ा के चावल की मांग को खेत पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

इस दौरान कई ग्रामीण उत्पादों की किस्में हमने खो दीं तो इसलिए कि इन्हें विभागीय व बाजार का संरक्षण नहीं मिला या मार्केटिंग के टूल्ज ब्रांड हिमाचल नहीं बना पाए। प्रदेश का शहद कुछ कंपनियों का ब्रांड बनकर तो अच्छी कीमत वसूल रहा है, लेकिन हिमाचली उत्पाद बन कर इसकी औकात आज तक नहीं बन पाई। निःसंदेह ऊना की कंपनी बीडीएम ने ब्रांड हिमाचल को अपने कृषि-बागबानी के उत्पादों के जरिए स्थापित किया, तो कुछ इसी तरह शाल, ऊनी वस्त्रों तथा ऐसे अनेक उत्पादों के मार्फत कुल्लू की सहकारी संस्था बुट्टिको ने हिमाचल को देश-विदेश में चर्चित किया। दिल्ली में हिम महोत्सव से यही उम्मीद है कि वहां ब्रांड हिमाचल का नाम उपभोक्ता के मन में अंकित हो जाए। यह प्रदर्शनी के चंद दिनों या घंटों की मजदूरी या लाभ-हानि नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिकी के एक प्रयास के रूप में चिन्हित होनी चाहिए, ताकि बड़े ब्रांड की तरह हिमाचल के उत्पाद ग्रामीण संस्कृति, कला, कृषि व बागबानी का सशक्त चेहरा बन जाएं।

चर्चा

क्या वे 'आतंकी घुसपैठिए' हैं

लोकसभा में घुसपैठ करने वाले क्या आतंकवादी हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि अदालत में सरकारी वकील ने ऐसे आरोप लगाए हैं। दिल्ली पुलिस का भी अंदेशा है कि घुसपैठियों की किसी आतंकी साजिश में भूमिका हो सकती है! यदि किसी भी तरह उनके तार आतंकवाद से जुड़े हैं, तो जांच के निष्कर्ष स्पष्ट कर सकते हैं। यह भी संवेदनशील स्थिति है कि कथित आतंकी संसद की दर्शक-दीर्घा तक पहुंच कर लोकसभा की कार्यवाही के बीच छलांग लगाकर सुरक्षा-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर चुके हैं। क्या अन्य आतंकियों के लिए रास्ता साफ किया जा चुका है? आतंकवाद का कोई निश्चित चेहरा-मोहरा नहीं होता। किसी की गतिविधियों और घुसपैठी करतूतों से ही आतंकवाद की ओर संकेत जाते हैं। चूंकि पुलिस और जांच एजेंसियों ने संसद के घुसपैठियों के खिलाफ 'आतंकवाद रोधी अधिनियम' (यूएपीए) की धारा 16 और 18 के तहत मामला दर्ज किया है, आपराधिक साजिश, देश को तोडऩे, दंगा फैलाने और लोकसेवकों के काम में बाधा डालने की धाराएं भी लगाई गई हैं, लिहाजा प्रथमद्रष्ट्या यह आतंकवाद का मामला लगता है। आरोपितों के काम-धंधे, पढ़ाई और पृष्ठभूमि को देखकर फैसला नहीं लिया जा सकता। यूएपीए कठोरतम कानून है, जिसमें फांसी या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। इसके तहत जमानत भी असंभव-सी होती है। फिलहाल अदालत ने 7 दिन की रिमांड दी है, जिसे बढ़ाया जाना प्रक्रिया का ही हिस्सा है।

सवाल है कि यदि आरोपित घुसपैठिए आतंकी हैं, तो वे किस संगठन से जुड़े हैं? किसकी साजिश पर उन्होंने लोकसभा में कूदने और धुआं-धुआं करने जैसा हमलावर रुख अपनाया? यदि वे बीते डेढ़ साल से संसद में घुसकर उत्पात मचाने या सनसनी फैलाने की साजिश पर विमर्श कर रहे थे और देश के अलग-अलग शहरों में मुलाकातें कर रहे थे, तो उनके खर्चे कौन उठा रहा था? कौन फंडिंग कर रहा था उन्हें? सवाल कई हैं और जांच के दौरान उन्हें जरूर खंगाला जाएगा, लेकिन वे 'बेचारे', 'बेरोजगार' और 'भूले-भटके नौजवान' नहीं माने जा सकते। जब कश्मीर में आतंकवाद और जेहाद चरम पर थे, तब भी युवा आतंकियों को 'भूले-भटके' करार दिया जाता था, लेकिन अकेले उस आतंकवाद ने ही करीब 45,000 जिंदगियां छीन ली थीं। पंजाब और पूर्वोत्तर के आतंकवाद या उग्रवाद की तो चर्चा हम कर ही नहीं रहे। यदि ऐसे विशेषण देकर विपक्ष इन घुसपैठियों का बचाव करेगा और माफ करने की पैरवी करेगा, तो निश्चित ही देश में आतंकवाद कभी समाप्त नहीं हो सकता। देश में लाखों-करोड़ों युवा बेरोजगार हैं और औसत परिवार महंगाई के दंश झेल रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वे संसद पर ही हमला कर दें! यकीनन ये राष्ट्रीय समस्याएं हैं, लेकिन संसद में घुसपैठ करना तो जघन्य अपराध है। बहरहाल सभी आरोपित सोशल मीडिया पर 'भगत सिंह फैन क्लब' और 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' ग्रुप से जुड़े हैं। बल्कि उन्होंने ऐसा क्रांतिकारी बनने का मुगालता पाल लिया है। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों को 'अतिवादी नक्सल' चित्रित कर उन्होंने एक और अपराध किया है। देश में अब अंग्रेजों की नहीं, हमारी अपनी लोकतांत्रिक सत्ता है। फिर किस पर 'स्मोक कैन' या 'बम' अथवा 'ग्रेनेड' का इस्तेमाल किया जा रहा है? यदि आप प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के खिलाफ हैं, तो चुनाव आने वाले हैं। उनके खिलाफ जनादेश दिया जा सकता है, लेकिन संसद के खिलाफ साजिश स्वीकार्य नहीं है। इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति करना और बदले में 13 लोकसभा सांसदों को निलंबित करना अच्छा संसदीय आचरण नहीं है। ब

रमेश धवाला

बेदर्दी से नोच फेंकने की पीड़ा है विस्थापन

पौग बांध विस्थापितों को भूमि का हक दिलाना चाहिए'

विस्थापन का कारण प्राकृतिक आपदा या फिर मानव निर्मित दोनों ही परिस्थितियों में समाज के गरीब व अक्षम वर्गों को भारी क्षति उठानी पड़ती है, कई संयुक्त परिवार टूट जाते हैं, सामाजिक ताना-बाना बिखर जाता है। सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ धार्मिक जीवन भी प्रभावित होता है। भू-अधिग्रहण एवं विस्थापन से विस्थापितों की जनक्रियाएं, प्रक्रियाएं एवं मानसिक क्षमता भी प्रभावित होती है। पर्याप्त मुआवजे के अभाव में व्यक्ति का सही पुनर्वास एवं पुनस्र्थापन नहीं हो पाता है। आर्थिक क्षति के साथ-साथ उनको मानसिक, व्यावसायिक एवं सामाजिक क्षति भी होती है। सच तो यह है कि सरकारी मुआवजे, अनुदान, राहत राशि के बड़े-बड़े वादे और नए पुनर्वास स्थल पर सारी सुविधाओं के होने के बावजूद अपनी जमीन से कटने का दर्द कभी मन से नहीं मिटता है, यह हमेशा मन को कचोटता रहता है। वास्तव में यह उनके लिए लाभ-हानि का सौदा नहीं रह जाता है। असलियत में यह पुशतैनी रूप से सदियों से बंधे अपने परिवेश से कटने का दुःख स्मृतियों, संवेदनाओं और मन के टूटने से जुड़ा होता है। विस्थापन की सूचना मिलने मात्र से ही उनका तन-मन शिथिल हो उठता है, जबकि समाज का एक वर्ग प्रभावितों के दुःख से अनभिज्ञ रहता है।

असलियत में विस्थापन की समस्या एक सामाजिक समस्या है। इसे केवल मात्र लाभ या हानि, विकास और मुआवजे से जोडक़र नहीं देखा जाना चाहिए। जरूरत है जो लोग अपनी जड़ों से कटे हैं, उनकी संवेदनाओं और जरूरतों का मानवीय आधार पर ध्यान रखा जाए। उनके विस्थापन को देश व समाज की भलाई की खातिर कुर्बानी की भावना के तहत प्रमुखता दी जाए ताकि उनको अपनी जमीन से कटने का दर्द किसी हद तक कम किया जा सके। किसी भी देश को विकास के पथ पर अग्रसर होना हो तो परियोजनाएं अहम रोल अदा करती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण विद्युत परियोजनाएं हैं जिनके निर्माण में बहुत से लोग प्रभावित होते हैं। ऐसे ही 1975 में जब पौंग बांध निर्मित हुआ था तो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की अत्यधिक उपजाऊ भूमि इसके अधीन आई थी, हजारों परिवारों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। 1975 में पूरा हुआ पौंग बांध ब्यास नदी को रोककर उसके पानी को भारत के सबसे लंबे नहर नेटवर्क, इंदिरा गांधी नहर के माध्यम से राजस्थान के थार रेगिस्तान तक ले जाया गया। बांध के कारण कांगड़ा के 339 गांवों की 75268 एकड़ जमीन, घर, कृषि भूमि और सार्वजनिक भूमि जलमग्न हो गई। पौंग बांध विस्थापितों को सरकारी भूमि का आवंटन नियम-1972 के अनुसार राजस्थान और पंजाब की सरकारों द्वारा सहमत पुनर्वास पैकेज के अनुसार, प्रत्येक पात्र विस्थापित को 15 एकड़ जमीन आवंटित की गई। यह वह समय था जब हिमाचल राज्य बनने से पहले कांगड़ा जिला पंजाब का हिस्सा होता था। 1970 में राजस्थान के जैसलमेर, गंगानगर और बीकानेर जिलों में लोगों के पुनर्वास के लिए हिमाचल प्रदेश और राजस्थान की सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। कारण यह था कि बांध का पानी इंदिरा नहर परियोजना के माध्यम से इन क्षेत्रों को सिंचित करने वाला था।

राजस्थान में जो भूमि विस्थापित हुए लोगों के लिए दी गई वो एकदम से बंजर और रहने योग्य नहीं थी। हालात यह हैं कि आज 52 वर्ष बाद भी लोगों को हक नहीं मिला, समय-समय पर प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार राजस्थान सरकार के समक्ष गुहार लगाती रही, सर्वोच्च

न्यायालय ने भी कई बार निर्देश दिए हैं, परंतु प्रभावित लोगों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। इसके अलावा नियमों के तहत राजस्थान में 16352 परिवार पुनर्वास के पात्र थे। लेकिन 1992 तक केवल 9196 आवंटन किए गए थे और उनमें से 6658 आवंटन 1972 के नियमों के उल्लंघन के कारण राजस्थान सरकार द्वारा रद्द कर दिए गए थे। इसके अलावा पुनर्वास के लिए निर्धारित भूमि खेती के लिए उपयुक्त नहीं थी और सभी पात्र विस्थापितों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त सिंचित भूमि उपलब्ध नहीं थी। बांध निर्माण के समय हजारों घर डूब गए, इस कारण विस्थापित परिवार सही पुनर्वास न होने के कारण अभी भी हिमाचल प्रदेश के वास्तविक निवासी कहलाने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे हजारों परिवार राज्य के विभिन्न स्थानों पर बसे हुए हैं। अकेले कांगड़ा जिला के उपमंडल देहरा में कम से कम 450 परिवार बसे हुए हैं व आजीविका हेतु सामान्य नौकरियां व काम धंधा कर रहे हैं। विस्थापन के समय प्रदेश के मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि प्रभावितों को जहां भूमि मिले, बस जांए, मलिकाना हक मिल जाएगा, परंतु आज हालात विपरीत हैं, कभी कोर्ट कभी सरकार के द्वारा विस्थापित दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। विस्थापित हुए लोगों, जो सरकारी जमीनों पर गुजर-बसर कर रहे हैं, को पीने के पानी से लेकर बिजली के कनैक्शन तक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की शादी तक कोई विस्थापित परिवार में नहीं करना चाहता है। फलस्वरूप जीवन ऐसे लोगों के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। ऐसे कई उदाहरण प्रायः उपमंडल देहरा के तहत गांव भटोली, हरिपुर, सकरी, बिलासपुर व गुलेर आदि में देखने को मिलते हैं। अभी कुछ दिन पहले वन परिक्षेत्र नगरोटा सूरियां के तहत पंचायत सकरी में वन विभाग की जमीन पर बने दो घरों को गिरा दिए जाने की सूचना प्राप्त हुई।

इनमें से एक घर अनुसूचित जाति से संबंधित व्यक्ति का था जो कि पिछले 40 वर्षों से गरीबी और सरकार की असंवेदनशीलता का दंश झेल रहा है। दूसरा घर सामान्य वर्ग परिवार का था। घर के बुजुर्ग रोते-बिलखते मिन्नतें करते रहे, परंतु विभागीय कार्रवाई को नहीं रोक पाए। पत्थराई आंखों से अपने सामने ही उस सपने को टूटते देखा जो परिवार व समाज को जोड़ कर रखता है। यह सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता का एक जीता जागता प्रमाण है। शुरू में तो ये परिवार सरकारी आश्वासनों के चलते सामान्य भूमि पर बस गए थे, लेकिन 1980 में बंदोबस्त के पश्चात वन क्षेत्र घोषित किए जाने पर लोगों के घर व आंगन भी सरकारी भूमि में सम्मिलित किए गए। आज भी इन लोगों को पुनर्विस्थापन का डर सता रहा है। हिमाचल में सरकारें आती रही और जाती रही, लेकिन इन लोगों को सिर्फ आश्वासन के सिवा कुछ नहीं दिया गया। पार्टियां चुनावों से पहले बड़ी-बड़ी बातें करती हैं, लेकिन सरकार बनते ही सब कुछ भुला दिया जाता है। मानवीयता के आधार पर एवं इनके त्याग को दृष्टिगत रखते हुए सरकार को पौग बांध विस्थापितों को घर-आंगन की भूमि का मालिकाना हक दिलाना चाहिए।

पूर्व विधायक

चिंतन विचार

टॉप सीक्रेट है चिंतन हमारा

कमाल है जी। इधर मैं चिंतन कर रहा हूं और उधर वह इस चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं 'कि बंदा आखिर चिंतन कर रहा है तो किस बात का कर रहा है और उस चिंतन के बाद क्या गुल खिलाएगा। मेरा चिंतन उनके गले की फांस बन गया है। उनकी नींद उड़ी हुई है। आंखें राडार की तरह मुझे खोजती फिर रही हैं कि मैं आखिर चिंतन का लबादा ओढक़र इस ब्रह्मांड की कौनसी गुफा, कौनसी पहाड़ी, कौनसी कंदरा में जा विराजा हूं। अगर मैं किसी की गुफा में चिंतनशील हूं तो वह गुफा कितने फुट लंबी-चौड़ी है' वहां तकिया बेड किसने मुहैया करवाया होगा। मैं वहां चिंतन करते हुए मिनरल वाटर पी रहा हूंगा या कोई दूसरा पेय? भोजन में मेरे कौन-कौनसी डिश शुमार होंगी? चिंतन के दौरान मेरा संपर्क सीधा भगवान से है या किसी और से? मैं किसी नए गठबंधन की संरचना तो नहीं कर रहा? फोटोग्राफर मेरे चिंतन की मुद्रा को गुफा में बैठकर दुनिया को लाइव दिखा रहे हैं या नहीं? लोग मुझे गुफा में चिंतनमय होते देखकर श्रद्धा से हाथ जोड़ रहे हैं या नहीं? यानी विरोधी हर एंगल से मेरे चिंतन पर बहुत करीबी से नजर गड़ाए हुए हैं। उनकी चिंता के खास खास बिंदु यह भी हैं कि मेरा मोबाइल स्विच ऑफ क्यों आ रहा है। खबर की तलाश में पाताल तक पहुंच जाने वाले चैनल वाले भी मुझे आखिर क्यों नहीं ढूंढ पा रहे? हारने के बाद मेरा बयान क्यों नहीं आ रहा 'और चिंतन के बाद मेरा आखिर कैसा बयान आएगा? महंगाई के सूचकांक की तरह उनकी चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। वे ठीक से करवट नहीं ले पा रहे। चेयर पर बैठे-बैठे भी उन्हें बेचैनी हो रही है। उन्हें बार-बार यह भ्रम हो उठता है कि उनकी चेयर स्टेबल नहीं है और चेयर का कोई पाया अपनी जगह से खिसक रहा है या उन्हें चेयर से कोई धक्का दे रहा है? किसी भी दिन उन्हें चेयर से कोई धक्का देकर उनकी चेयर पर मूंछों को ताव देते हुए विराजमान हो सकता है। मेरे चिंतन से उन्हें चिंता जो है। वह बार-बार अपना ब्लड प्रेशर चेक कर रहे हैं। बीच-बीच में अपना मोबाइल भी चेक कर रहे हैं और लगातार मुझे गूगल पर सर्च कर रहे हैं। गूगल का इंजन भी हांफ गया है। जैसे सरकार महंगाई कंट्रोल करने के मामले में हांफ गई है। ब्यूरोक्रेसी सरकार की योजनाएं पूरी करने में हांफ गई है। सरकार का खजाना चुनावी घोषणाओं को पढक़र हांफ गया है। बड़ी अजीब सी स्थिति हो गई है जी। हमने कभी सोचा भी न था कि हमारा चिंतन और उनकी चिंता इस तरह आपस में गड्डमड्ड हो जाएंगे। अगर हमें ऐसी स्थिति पैदा होने का तनिक भी भान होता तो हम काहे को ऐसे चिंतन का पंगा लेते। हमारे पास चिंतन करने के लिए क्या विषयों की कमी थी। हम चुनाव ही हारे हैं न। किसी हसीना के आगे दिल तो नहीं हारे। हमारी किसी ठेकेदार से लेनदेन की ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग पब्लिक के बीच तो नहीं आई, यानी हमारी कोई लेनदेन की ऑडियो वायरल तो नहीं हुई। हमारी सिक्योरिटी ही जब्त हुई है न, कोई बोलती तो बंद नहीं हुई। हमारी बीवी ने हमें ताना थोड़े ही मारा कि जब 9 वोट घरवालों के ही थे, तो फिर आपको पांच क्यों मिले? बाकी के चार कहां गए? हमारे कैरेक्टर पर घरवाली ने उंगली तो नहीं उठाई। हमारी सफेद कमीज की तरह कैरेक्टर चकाचक ही रहा न। देखो हम, घर का मसला, घर में रखते हैं और ऐसी फालतू बातों का चिंतन नहीं करते। अभी हमने मौन रखा है। पूरे एक महीने का मौन! हम सिर्फ चिंतन कर रहे हैं। बोल कुछ नहीं रहे। हमारे चिंतन के कुछ उसूल हैं। इनमें कुछ खानदानी हैं और कुछ नीतिगत हैं। हम एक पार्टी से दूसरी पार्टी में तो जा सकते हैं, लेकिन अपने उसूलों से बाहर नहीं जा सकते। यह हमारे चिंतन का सिद्धांत है। हमारा चिंतन हमारी गर्लफ्रेंड को भी मालूम नहीं होता। पत्नी की तो बिसात ही क्या है। हमारे चिंतन का टॉप सीक्रेट ठीक उसी तरह है जैसे कई बार मुख्यमंत्री को भी पता नहीं होता कि उनके मंत्री क्या गुल खिला रहे हैं और कई बार मंत्रियों को भी पता नहीं होता कि उन्हें सुबह गुड मॉर्निंग का मैसेज भेजने वाली ब्यूरोक्रेसी क्या गुल खिला रही है?

अगले हफ्ते खुल रहा है Sovereign गोल्ड बॉन्ड, इतना है इश्यू प्राइस

आज के समय में फिजिकल गोल्ड के साथ डिजिटल गोल्ड में भी निवेश कर सकते हैं। डिजिटल गोल्ड को बढ़ावा देने के लिए सरकार भी कई योजना चला रही है। इन स्कीम में से एक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। आरबीआई समय-समय पर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को सब्सक्रिप्शन के लिए खोलते हैं। अगले हफ्ते सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का सब्सक्रिप्शन खुलने वाला है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का सब्सक्रिप्शन खोलने वाले है। आपको बता दें कि अगर आप गोल्ड में निवेश करना चाहते हैं तो आप डिजिटल गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की अगली किस्त का इश्यू प्राइस 6,199 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया है। सॉबरेन गोल्ड बॉन्ड का सब्सक्रिप्शन के लिए केवल 5 दिन ही है। आपको बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना 2023-24 - सीरीज III 18-22 दिसंबर, 2023 के दौरान सदस्यता के लिए खुली रहेगी।

यहां खरीद सकते हैं सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड खरीदना चाहते हैं तो आपको बता दें कि आप इसे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (छोटे वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल), नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के जरिये खरीद सकते हैं।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 999 शुद्धता वाले सोने के साधारण औसत समापन मूल्य के आधार पर बांड का नाममात्र मूल्य 6,199 रुपये प्रति ग्राम बैठता है। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक के परामर्श से ऑनलाइन आवेदन करने और डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपये प्रति ग्राम कम की छूट देने का भी निर्णय लिया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड का निर्गम मूल्य 6,149 रुपये प्रति ग्राम सोना होगा। गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24 -सीरीज IV 12-16 फरवरी के लिए निर्धारित है। सीरीज I इस साल 19-23 जून को और सीरीज II 11-15 सितंबर के दौरान सदस्यता के लिए खुली थी। इस बॉन्ड में निवेशकों को 2.50 फीसदी प्रति वर्ष के हिसाब से ब्याज मिलता है। सदस्यता की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्टों और समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्तीय वर्ष होगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि एसजीबी की अवधि आठ साल होगी और पांचवें साल के बाद समय से पहले भुगतान का विकल्प उस तारीख पर इस्तेमाल किया जाएगा जिस दिन ब्याज देय है। भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्र सरकार की ओर से बांड जारी करता है। बॉन्ड का उपयोग लोन के रूप में किया जा सकता है।

केवाईसी के जरिये आसानी से सोना खरीदा जा सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना नवंबर 2015 में भौतिक सोने की मांग को कम करने और सोने की खरीद के लिए उपयोग की जाने वाली घरेलू बचत के एक हिस्से को वित्तीय बचत में स्थानांतरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

स्विगी से ऑर्डर हुई 42.3 लाख रुपये की बिरयानी, इस व्यक्ति ने बनाया रिकॉर्ड

आज के समय में ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है। स्विगी ने 2023 का वार्षिक रिपोर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2023 में सबसे ज्यादा बिरयानी का ऑर्डर हुआ है। विश्व कप के मौके पर लोगों ने बिरयानी के साथ पिज्जा भी काफी ज्यादा ऑर्डर किया है। आइए इस रिपोर्ट में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नईदिल्ली। हाल ही में स्विगी (Swiggy) ने अपना वार्षिक रिपोर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट का नाम 'How India Swiggy'd in 2023' है। इस रिपोर्ट में लोगों के पसंद के खाने के साथ कई दिलचस्प कहानी भी है। 2023 में स्विगी पर लोगों को सबसे ज्यादा पसंद बिरयानी आई है। स्विगी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 2023 में 2.5 सर्विंग्स प्रति सेकेंड की दर से बिरयानी का ऑर्डर दिया।

इस रिपोर्ट में हैदराबाद के एक व्यक्ति के बारे में बताया है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि हैदराबाद के व्यक्ति ने एक साल में 1,633 बिरयानी ऑर्डर किया है। यह ऑर्डर करी संख्या बिरयानी को लेकर लोगों के प्यार को दर्शाता है।

नॉन-वेज के साथ वेज बिरयानी भी है लोगों की पसंद

स्विगी के रिपोर्ट के अनुसार जहां लोगों को चिकन बिरयानी पसंद आई है। वहीं शाकाहारी लोगों ने वेज-बिरयानी भी ऑर्डर किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार 5.5 चिकन बिरयानी प्लेट के साथ एक वेज बिरयानी भी ऑर्डर हुआ है। 2023 में वर्ल्ड कप के दौरान भारत-पाकिस्तान का मैच हुआ था। इस मैच के दौरान देश में स्विगी से काफी ऑर्डर हुए है। भारत-पाकिस्तान के मैच के दौरान चंडीगढ़ के एक परिवार ने 70 प्लेट बिरयानी ऑर्डर दिया था।

इस दिन हुआ सबसे ज्यादा ऑर्डर

1 जनवरी 2023 को नए साल के जश्न के मौके पर भी स्विगी को काफी ऑर्डर मिले हैं। स्विगी की रिपोर्ट में बताया गया है कि नए साल के जश्न के मौके पर 4.3 लाख बिरयानी और 83.5 हजार नूडल्स मिला है। वहीं, 14 मई 2023 को मदर्स डे पर सबसे ज्यादा केक ऑर्डर हुआ है। इसी तरह 30 अगस्त को गुलाब जामुन और 20 अगस्त को बटर नान सबसे ज्यादा ऑर्डर दिया गया है।

19 नवंबर 2023 को वर्ल्ड कप के फाइनल में लोगों ने सबसे ज्यादा पिज्जा ऑर्डर किया है। इस दिन एक मिनट में सबसे ज्यादा पिज्जा ऑर्डर किया गया है।

निजी कंपनियों को सीधे आवंटित हो सकते हैं दुर्लभ खनिज भंडार, खनन मंत्रालय ने लिया अहम फैसला

दुर्लभ खनिजों के उत्खनन को लेकर खनन मंत्रालय द्वारा अहम फैसला लिया गया है। इस फैसले के अनुसार अब निजी क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों को आसानी से र्लभ खनिजों के भंडार आवंटित किया जाएगा। खनन मंत्रालय की तरफ से यह बताया गया है कि वर्ष 2021 में ही खनन व खनिज (एमएमडीआर) कानून 1957 में संशोधन किया था।

नई दिल्ली। दुर्लभ खनिजों के उत्खनन की जरूरत को देखते हुए केंद्र सरकार ने इसके खनन की प्रक्रिया को तेज करने का फैसला किया है। इस क्रम में एक अहम फैसला किया गया है कि आने वाले दिनों में निजी क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों को सीधे ही दुर्लभ खनिजों के भंडार आवंटित कर दिया जाएगा।

खनन मंत्रालय की तरफ से यह बताया गया है कि वर्ष 2021 में ही खनन व खनिज (एमएमडीआर) कानून 1957 में संशोधन किया था जिसके जरिए खनन क्षेत्र की कंपनियों क सूचीबद्ध कंपनी का दर्जा दिया जा सकता है। इसमें सरकारी व निजी दोनों तरह की कंपनियां हो सकती हैं। मार्च, 2022 में इस प्रक्रिया के तहत 16 निजी कंपनियों को खनन क्षेत्र में सूचीबद्ध कंपनियों के तौर पर चिन्हित किया गया था।

17 अगस्त, 2023 को ही केंद्र सरकार ने एमएमडीआर में संशोधन करके ग्रेफाइट, पोटाश, पीजीई, आरईई जैसे 30 खनिज उत्पादों को दुर्लभ खनिज की श्रेणी में डाला था। इन खनिजों का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग, मोबाइल फोन, सोलर पैनल निर्माण, सेमीकंडक्टर जैसे उद्योग में हो सकेगा। निविदा प्रक्रिया नहीं होने से अब सरकार कंपनियों को चिन्हित करके उन्हें सीधे खनिज भंडार उत्खनन के लिए आवंटित कर सकती है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, 8 दिसंबर तक 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की हुई बढ़त

परिवहन विशेष न्यूज

8 दिसंबर 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने समाप्त हफ्ते के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार 8 दिसंबर 2023 तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.816 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 606.859 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वहीं पिछले हफ्ते की रिपोर्टिंग के अनुसार यह 6.107 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 604.042 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

नईदिल्ली। आरबीआई हर सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 8 दिसंबर 2023 को खत्म हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.816 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 606.859 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वहीं, पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल भंडार 6.107 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 604.042 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था।

आपको बता दें कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले साल से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की रक्षा के लिए पूंजी भंडार को तैनात कर दिया। इसका असर विदेशी भंडार पर देखने को मिला है।

आरबीआई द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार 8 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के लिए विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.089 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 536.699 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की सराहना शामिल होता है।

सोने के भंडार में गिरावट

आरबीआई ने कहा कि इस सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 199 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 47.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के विशेष आहरण अधिकार 63 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 18.188 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 11 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 4.842 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

सरकार SGB के निवेशकों को दिसंबर और फरवरी में देगी किस्त; सीरीज 3 और 4 के लिए इस दिन से कर सकेंगे निवेश

केंद्र सरकार इस महीने दिसंबर में एसजीबी की एक किस्त जारी करने जा रही है इसके बाद फरवरी में एक और किस्त जारी की जाएगी। इसके अलावा निवेशक सीरीज III एसजीबी के लिए आवेदन की तारीखें 18-22 दिसंबर 2023 हैं और सीरीज IV के लिए 12-16 फरवरी हैं। सरकार की ओर से आरबीआई एसजीबी इश्यू करता है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार इस महीने यानी दिसंबर में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की एक किस्त जारी करेगी और इसके बाद फरवरी में एक बार फिर दूसरी किस्त जारी करेगी।

इसके अलावा वित्त मंत्रालय के एक बयान में बताया कि वित्त वर्ष 24 के सीरीज III के लिए एसजीबी में सदस्यता की तारीख 18-22 दिसंबर है, जबकि सीरीज IV के लिए सदस्यता की तारीख 12-16 फरवरी 2024 है।

आपको बता दें कि सीरीज I के लिए सदस्यता 19-23 जून के दौरान और सीरीज II के लिए सदस्यता 11-15 सितंबर के दौरान खुली थी।

कौन बेचता है एसजीबी?

एजीबी के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारत सरकार की ओर से इश्यू करता है। एसजीबी को शेड्यूल कमर्शियल बैंक (छोटे वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SHCIL), क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL), नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाता है।

कितनी होती है एसजीबी की प्राइस?

एसजीबी की कीमत रुपये में तय कि जाती है। यह कीमत इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड (IBJA) तय करता है जिसका आधार सदस्यता अवधि से पहले सप्ताह के अंतिम तीन वर्किंग डे होता है। 999 शुद्धता वाला सोना जितने पर बंद हुआ है उसके औसत मूल्य से कीमत तय होती है।

ऑनलाइन निवेशकों को सस्ता मिलता है एसजीबी

वित्त मंत्रालय के मुताबिक ऑनलाइन सदस्यता लेने वाले और डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए एसजीबी का इश्यू प्राइस 50 रुपये प्रति ग्राम कम होगा।

एक व्यक्ति कितना खरीद सकता है एसजीबी?

नियमों के मुताबिक सदस्यता की अधिकतम सीमा व्यक्ति के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्ट और समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्तीय वर्ष होती है। एसजीबी

वीकेंड पर गाड़ी से घूमने का है प्लान? यहां जानिए क्या है आज पेट्रोल और डीजल का ताजा भाव

शुक्रवार को क्रूड ऑयल 1.62 प्रतिशत महंगा होकर 75 .25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था जिसके बाद आज सुबह 6 बजे तेल कंपनियों ने देश के सभी शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें निर्धारित की हैं। ऐसे में अगर आप आज वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो उससे पहले अपने शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमत जान लीजिए।

नई दिल्ली। नौकरी करने वालों के लिए वीकेंड (शनिवार-रविवार) किसी गोल्ड से कम नहीं है। हफ्ते भर की थकान से राहत और अपने परिवार के साथ समय बीताने का यह सबसे अच्छा दिन होता है। कई लोग तो वीकेंड पर अपने दोस्तों या परिवार के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं।

ऐसे में अगर आपके पास कोई वाहन है और आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो उससे पहले यह जान लीजिए कि आपके शहर में पेट्रोल और डीजल का क्या भाव है ताकी आप उस हिसाब से अपना बजट बना सके।

कच्चा तेल हुआ महंगा

आपको बता दें कि कल वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.62 प्रतिशत बढ़कर 75.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था जिसके बाद आज सुबह तेल कंपनियों ने देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत तय की है।

किस शहर में क्या है तेल का भाव?

गुड रिटर्न के मुताबिक आज तेल की कीमतें इस प्रकार हैं:

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नई दिल्ली	96.72	89.62
कोलकाता	106.03	92.76
नोएडा	96.64	89.82
गुरुग्राम	96.77	89.65
लखनऊ	96.57	89.76

दिल्ली मेट्रो में बड़ा हादसा: कोच के गेट में फंसी महिला की साड़ी, ट्रैक पर गिरी, इलाज के दौरान हुई मौत

महिला की मौत के बाद आनन-फानन में मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त के नेतृत्व में कमेटी गठित कर पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। कमेटी की रिपोर्ट आने से पहले मेट्रो प्रशासन इस बारे में कुछ भी कहने से बच रहा है।

दिल्ली मेट्रो के इतिहास में बड़ा हादसा सामने आया है। इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर रेड लाइन मेट्रो कोच के गेट में साड़ी समेत गरम कपड़े फंसने से घायल महिला की शनिवार इलाज के दौरान मौत हो गई। सफदरजंग अस्पताल की मोर्चरी में महिला का शव सुरक्षित रखवा दिया गया है। रविवार इसका पोस्टमार्टम होगा। उधर, हादसे के बाद मेट्रो प्रशासन सकते हैं। मौत के बाद आनन-फानन में मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त के नेतृत्व में कमेटी गठित कर पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। कमेटी की रिपोर्ट आने से पहले मेट्रो प्रशासन इस बारे में कुछ भी कहने से बच रहा है। दूसरी तरफ नेता जी सुभाष प्लेस मेट्रो थाना पुलिस ने जांच के लिए डीएमआरसी से घटना की सीसीटीवी फुटेज मांगी है।

पूरा वाकया बृहस्पतिवार दोपहर करीब एक बजे का है। इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर बृहस्पतिवार दोपहर एक महिला की साड़ी मेट्रो के गेट में फंस गई। इसी दौरान ट्रेन आगे चल पड़ी। इससे महिला काफी दूर तक प्लेटफार्म पर घिसटती रही। इसे देखकर यात्री चिल्लाते रहे, लेकिन मेट्रो नहीं रूकी। प्लेटफार्म के अंतिम छोर पर लगे गेट से टकराने से महिला ट्रैक पर जा गिरी। इससे महिला के सिर में गंभीर चोट आई है।

इसी दौरान दूसरे ट्रैक से गुजर रही ट्रेन के ऑपरेटर की नजर महिला पर गई। उसने इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। मौके पर पहुंची मेट्रो टीम ने इलाज के लिए महिला को तीन अस्पतालों से रेफर कर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया। सिर में गंभीर चोट आने से महिला बृहस्पतिवार से ही कोमा में थी। उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। शनिवार दोपहर बाद इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला की शिनाख्त 35 वर्षीय रीना के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, मूलतः दिल्ली के नागलोई निवासी रीना अपने दो छोटे बच्चों के साथ इलाके में रहती थी। ब्रेन ट्यूमर से उसके पति रवि की कई साल पहले मौत हो गई है। बच्चों का गुजारा करने के लिए वह इलाके में ही रेहड़ी पर सब्जी बेचती थी। बृहस्पतिवार को उसे मेरठ के बागपत रोड स्थित सूरत सिनेमा के पास अपने भांजे की शादी में शामिल होने के लिए थाना था। दोपहर नांगलोई स्टेशन से ग्रीन लाइन की मेट्रो पकड़ी थी। इंद्रलोक स्टेशन पर मेट्रो बदलकर रेड लाइन से मोहन नगर पहुंचना था।

दोपहर 1:04 बजे उन्होंने रेड लाइन की ट्रेन पकड़ी लेकिन उनका बेटा थोड़ा पीछे छूट गया था। वह बेटे को बुलाने के लिए मेट्रो ट्रेन से बाहर निकलीं। इसी दौरान मेट्रो का दरवाजा बंद हो गया और उनका कपड़ा मेट्रो के दरवाजे में फंस गया। मेट्रो के दरवाजों में लगे सेंसर ने काम नहीं किया। इस वजह से गेट नहीं खुल पाया। गेट

बंद होते ही मेट्रो ट्रेन चल पड़ी। इससे महिला भी प्लेटफार्म पर घिसटती रही। आगे प्लेटफार्म के अंतिम छोर पर छोटा गेट से टकराने के बाद महिला ट्रैक पर गिर गई। इससे उन्हें गंभीर चोट आई है। मेट्रो सुरक्षा दस्ते ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने उन्हें बाहर निकाला।

चार अस्पतालों में ले गए, लेकिन नहीं बच सकी जान

घटना के बाद महिला को अचेत अवस्था में इलाज के लिए अशोक विहार स्थित दीपचंद बंधु अस्पताल में ले जाया गया। वहां महिला मरीज को ट्यूब डालकर आक्सीजन सपोर्ट दिया गया। इसके बाद उन्हें लोकनायक और फिर आरएमएल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। इन तीन अस्पतालों से स्थानांतरित होने के बाद उन्हें इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल की इमरजेंसी में न्यूरो सर्जरी वार्ड के आइसीयू में भर्ती किया गया है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार महिला यात्री के मस्तिष्क के अलावा कालर बोन व शरीर में कई अन्य जगहों पर गंभीर फ्रैक्चर हुआ था। वह कोमा में थी।

मेट्रो ने दिए जांच के आदेश

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक व मुख्य प्रवक्ता अनुज दयाल का कहना है कि 14 दिसंबर को इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर एक घटना घटी है। इसमें पहली नजर में लग रहा है कि एक महिला यात्री के कपड़े ट्रेन में उलझ गए, इससे वह घायल हो गई। बाद में शनिवार अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) पूरे मामले की जांच करेंगे।

दिल्ली में बर्फीली हवा ने बढ़ाई ठिठुरन, आठ साल बाद सबसे ठंडा रहा शनिवार; कड़ाके की सर्दी देगी दस्तक

मौसम विभाग के मुताबिक दिन के तापमान में भी आने वाले दिनों में गिरावट देखने को मिलेगी। पहाड़ों पर बर्फबारी होने से दिल्ली में कड़ाके की सर्दी दस्तक देगी। शनिवार को कोहरे के साथ तापमान में गिरावट देखने को मिली।

राजधानी में सुबह-शाम के तापमान में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। इससे शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान आठ वर्ष बाद सबसे कम दर्ज किया गया। वहीं, मसूरी से भी ठंडी दिल्ली की सुबह रही। प्रादेशिक मौसम विभाग के अनुसार सीजन में दूसरी बार दिल्ली का न्यूनतम तापमान कम रहा। सुबह 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। कुछ इलाकों में तो न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री से नीचे रहा। वहीं, औसत अधिकतम तापमान 24.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से दो डिग्री अधिक है।

मौसम विभाग के मुताबिक दिन के तापमान में भी आने वाले दिनों में गिरावट देखने को मिलेगी। पहाड़ों पर बर्फबारी होने से दिल्ली में कड़ाके की सर्दी दस्तक देगी। शनिवार को कोहरे के साथ तापमान में गिरावट देखने को मिली। दोपहर के समय धूप कम खिली। सुबह धुंध व कोहरे की मोटी चादर नजर आई। इससे दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली। रविवार को न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 25 डिग्री रह सकता है।

लोधी रोड का इलाका रहा सबसे ठंडा

लोधी रोड में न्यूनतम तापमान 5.2 दर्ज किया गया। इसके अलावा मुंगेशपुर, जफरपुर व आया नगर में 6, पूसा में 7.3 और नरेला में 7.7 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान नरेला में 25.6, पीतमपुरा में 25.2, लोधी रोड, रिज व आया नगर में 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शक्ति मुल्तायर और लीमोनेड की आईटी छापेमारी का बौध डिस्टिलरी से संबंध होने का संदेह

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेश्वर : राज्य के विभिन्न हिस्सों में धीरज साहू बिजनेस लिंक से आयकर छापमारी की गई। जांच के दायरे में ढेंकनाल के शराब कारोबारी, तुमुसेंगा थाना क्षेत्र के माचिया गांव स्थित शक्ति शराब बॉटलिंग प्लांट पर आयकर विभाग की छापेमारी इनकम टैक्स चोरी की आशंका के चलते आईटी विभाग की 8 सदस्यीय टीम कल से ही छापेमारी कर रही है। शुक्रवार को रेड करीब 11 घंटे तक चला और रेड आज भी जारी रहेगा।

आशंका है कि टैक्स के जाल में फंसी बौध डिस्टिलरी से साहू ब्रदर्स का लिंक यहां आ रहा है. शराब बॉटलिंग प्लांट के अंदर और बाहर पुलिस का पहरा है. कंपनी के अंदर आईटी टीम ने कई कागजातों की जांच की और कुछ अहम दस्तावेज जब्त किए.

उधर, ईडी इस केस को लेने के लिए तैयार है. ईडी के एक अधिकारी ने आयकर विभाग के दफ्तर जाकर एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की और मामले पर चर्चा की. शक्ति मल्टीएयर एंड लेमोनेड कंपनी में स्प्रिट का आयात किया जाता है और अल्कोहल और गैर-अल्कोहल तैयार किया जाता है। ये सभी शराब राज्य और राज्य के बाहर बेची जाती हैं. कंपनी को सरकार से मुख्य रूप से 4 गतिविधियों के लिए अनुमति मिली है. ब्लाइंडिंग, बॉटलिंग, वितरण और बिक्री। यहां ब्रांडी, व्हिस्की आदि बोतलबंद की जाती हैं। हालाँकि, उन पर अनुमति प्राप्त उत्पादों के अलावा अन्य उत्पाद बनाने और आयकर चोरी का आरोप है।

'विदेशी लोगों के अवैध गांव नहीं बसने देंगे, शरणार्थियों की मदद करेंगे'; सीएम बीरेन सिंह का बड़ा बयान

मणिपुर में विदेशी लोगों के अवैध गांव नहीं बसने देंगे। सीएम बीरेन सिंह ने बड़े बयान में कहा है कि सरकार मानवता के आधार पर शरणार्थियों की पूरी मदद करेगी। बता दें कि मई में जातीय हिंसा के कारण मणिपुर में 170 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सरकार मानवीय आधार पर शरण मांगने वाले लोगों की मदद करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने दो टूक कहा कि विदेशी लोगों को मणिपुर में घुसने और अवैध गांव बसाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीएम बीरेन सिंह ने कहा, म्यांमार से भागने के बाद केमजोंग जिले में शरण लेने वाले शरणार्थियों के बायोमेट्रिक विवरण जुटाएगा। अधिकारी ने कहा कि म्यांमार में सेना और कथित उग्रवादियों के बीच झड़प और हिंसा की खबरें आई थीं। इसके बाद म्यांमार से भागे करीब 2060 लोग मणिपुर की सीमा पर केमजोंग जिले में पांच जगहों पर जमा हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीय आधार पर सरकार लोगों को शरण देने से इनकार नहीं कर सकती, लेकिन उन्हें अस्थायी तौर पर शरण दी जाएगी। इससे पहले उनके बायोमेट्रिक विवरण लिए जाएंगे। सरकार इन लोगों को मणिपुर में गलत तरीके से घुसने और अवैध गांव बसाने से रोकना चाहती है। सीएम एन बीरेन सिंह पाकिस्तानी सेना पर 52 साल पहले मिली शानदार जीत का उत्सव मनाने वाले कार्यक्रम में बोल रहे थे। भारतीय सेना की जीत को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

म्यांमार से आए शरणार्थियों को खाना, दवाई और टेंट मुहैया कराने की बात कहते

हुए सीएम बीरेन सिंह ने कहा, सीमावर्ती इलाकों में पुलिस को अतिरिक्त एहतियात बरतने को कहा गया है। उन्होंने केंद्रीय और राज्य के सुरक्षाबलों की सराहना करते हुए कहा कि बीते छह महीने से अधिक समय तक प्रदेश में शांति बहाल करने में सुरक्षाबलों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

बता दें कि मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच तीन मई को गंभीर टकराव हुआ था। इसके बाद लंबे समय तक प्रदेश का माहौल तनावपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के कारण माहौल खराब होने की बात पर भी चिंता प्रकट की। उन्होंने समुदायों के बीच बैर और अविश्वास बढ़ाने की साजिश के खिलाफ सुरक्षा अधिकारियों को सचेत किया। सीएम ने कहा कि प्रोपगैंडा पर नकेल कसने के लिए पुलिस, अद्धसैनिक बल और सेना की विशेषज्ञ टीम को मिलकर कार्रवाई करनी चाहिए।

विदेशी घुसपैठ और म्यांमार से सटी सीमा के कारण संवेदनशील हालात को देखते हुए यह जानना भी अहम है कि मणिपुर की 398 किलोमीटर लंबी सीमा म्यांमार से सटी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर मणिपुर आने वाले अधिकांश लोग चिन समुदाय से जुड़े हैं। इनका मणिपुर में पहले से रहने वाले कुकी समुदाय से जातीय रिश्ता माना जाता है।

'ओडिशा में कानून-व्यवस्था ठीक नहीं, लोग डरे हुए हैं'

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेश्वर : ओड़िशा में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है, लोग डरे हुए हैं. केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने आज कुछ ऐसा कहकर राज्य की शासन व्यवस्था पर निशाना साधा. उन्होंने यह प्रतिक्रिया केंद्रीय मंत्री के ओडिशा दौरे के मौके पर दी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य में कानून व्यवस्था अच्छी नहीं है.यहां लोग डर के साये में रहते हैं. पिछले 9 वर्षों में ओडिशा का विकास केंद्र सरकार के कारण ही संभव हो सका है।

ओडिशा समेत पूरे देश में गरीब कम हुए हैं। केंद्र सरकार ने लोगों तक हर तरह की मदद पहुंचाई है. इसलिए, प्रधानमंत्री मोदी ओडिशा और देश के लोगों के मन में हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद रॉय ने कहा कि 24वें चुनाव में बीजेपी सत्ता में वापसी करेगी. उधर, बीजेडी नेता और श्रम मंत्री सारदा नाइक ने प्रतिक्रिया दी है. वे लगातार संसद में घुसपैठ कर रहे हैं. इसलिए केंद्र सरकार ने एक बार फिर यह कहकर आलोचना की है कि उन्हें इन सभी मुद्दों से निपटना चाहिए.

ये सांसें कब होंगी सुरक्षित: दिल्ली के 28 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में, NCR में राजधानी सबसे प्रदूषित

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, चार इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें वजीरपुर में सबसे अधिक एक्यूआई 421 दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी में 419, शादीपुर में 415 व विवेक विहार में 401 एक्यूआई रहा।

नई दिल्ली। राजधानी में मौसम के बदलाव व अन्य स्थानीय कारणों की वजह से हवा में सुधार नहीं हो रहा है। इससे शनिवार को चार इलाकों में प्रदूषण गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। वहीं, लगातार तीसरे दिन भी एनसीआर में दिल्ली की हवा सर्वाधिक प्रदूषित रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 354 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी है। यह शुक्रवार के मुकाबले 31 सूचकांक अधिक है। सुबह से ही धुंध के साथ कोहरा देखने को मिला। सुबह हल्की धूप खिली। 28 इलाकों में हवा बेहद खराब व चार में खराब श्रेणी में रही। वहीं, ग्रेटर नोएडा में 350, नोएडा में 330, फरीदाबाद में 318, गाजियाबाद में 316 व गुरुग्राम में 284 एक्यूआई दर्ज किया गया जो बेहद खराब श्रेणी है।

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, शनिवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रही। रविवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति 8 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के आसार है। वहीं, सुबह के समय धुंध व कोहरा छाने की आशंका है। ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। सोमवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलेगी। इस दौरान हवा की चाल 15 से 16 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने का अनुमान है। मंगलवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की आशंका है। इस दौरान हवा की गति आठ से 10 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। ऐसे में हवा बेहद खराब से खराब श्रेणी में पहुंच सकती है।

वजीरपुर समेत चार इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, चार इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें वजीरपुर में सबसे अधिक एक्यूआई 421 दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी में 419, शादीपुर में 415 व विवेक विहार में 401 एक्यूआई रहा। यह गंभीर श्रेणी है। साथ ही, 28 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें नेहरू नगर व आनंद विहार में 398, रोहिणी में 394, पंजाबी बाग में 393, बवाना में 390, अशोक विहार में 388 व बुराड़ी क्रॉसिंग में 381 सूचकांक दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी है। आया नगर में 300, लोधी रोड़ में 287, दिलशाद गार्डन में 275 व डीटीयू में 247, एक्यूआई दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023